अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष—10 अंक—246 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ रविवार 5 दिसम्बर 2021 पृष्ठ — 8 मूल्य—3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

मंत्री और सांसद के न पहुंचने पर नहीं हो सका रेलवे ओवरब्रिज का शिलान्यास

कानपुर (वेब वार्ता)। सरसौल रेलवे ओवर ब्रिज का शनिवार को शिलान्यास होना था और भाजपा पदाधिकारियों ने तैयारी भी पूरी कर ली थी। यहां तक शिलान्यास पत्थर को फूल माला से सजा भी दिया गया था, लेकिन ऐन वक्त पर कैबिनेट मंत्री सतीश महाना और सांसद देवेन्द्र सिंह भोले ने कार्यक्रम में आने में असमर्थता जता दी, जिससे शिलान्यास टल गया। महाराजपुर थाना क्षेत्र के साढ़—सरसौल मार्ग पर दिल्ली हावड़ा रेलमार्ग पड़ता है। व्यस्ततम रेल रूट होने के चलते यहां पर हर 10 से 15 मिनट में रेलवे क्रासिंग को बंद करना पड़ता है। ऐसे में साढ़ सरसौल मार्ग में आने जाने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और इसी को देखते हुए लंबे समय से यहां पर ओवर ब्रिज की मांग चल रही थी। आखिरकार उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री व स्थानीय विधायक सतीश महाना और सांसद देवेन्द्र सिंह भोले की पहल पर ओवर ब्रिज की मंजूरी मिल गई। विधान सभा चुनाव नजदीक आता देख मंत्री ने शनिवार को रेलवे ओवर ब्रिज आरओबी के शिलान्यास की तिथि सुनिश्चित कर दी। इसके तहत एक दिन पहले से ओवरब्रिज के शिलान्यास की तैयारी भाजपा पदाधिकारी कर रहे थे और शनिवार को शिलान्यास पत्थर को फूल मालाओं से लाद दिया गया। भाजपा नेताओं के भाषण भी चल रहे थे और जनता को ओवरब्रिज बनने से फायदा गिना रहे थे। इसी बीच ऐन वक्त मंत्री और सांसद का मैसेज आया कि शिलान्यास कार्यक्रम पर नहीं आ सकेंगे। मैसेज आते ही पदाधिकारियों में निराशा छा गई और घोषणा की गई कि मंत्री और सांसद व्यस्तता के चलते नहीं आ पा रहे हैं और फिर कभी शिलान्यास होगा। अब आगे किस तारीख को रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण कार्य का शिलान्यास होगा, यह अभी तय नहीं है। भाजपा पदाधिकारियों में चर्चा रही कि शहर में उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा हैं ,उसी के चलते संभवतः मंत्री और सांसद नहीं आ सके। महाराजपुर विधायक व औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना की पहल पर जिलाधिकारी ने सरसौल रेलवे क्रॉसिंग पर आरओबी का प्रस्ताव शासन को भेजा था। शासन से आरओबी के लिए 35 करोड़ रुपये का बजट भी जारी कर दिया गया है। निर्माण कार्य के लिए एक साल की समय सीमा लगना संबंधित अधिकारी बता रहे हैं। रेलवे ओवरब्रिज बनने के बाद क्षेत्रीय लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। स्कूली बसों , एंबुलेंस आदि जरूरी सेवाओं के वाहन भी बिना रुके फर्राटा भरते नजर आएंगे।

नगर विकास मंत्री ने किया उपमन्यु वाटिका का लोकार्पण

लखनऊ (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के नगर विकास मंत्री आशुतोष टण्डन ने शनिवार को गोमतीनगर स्थित विजय खण्ड–2 में अमृत योजना के अन्तर्गत उपमन्यु वाटिका के

सौन्दर्यीकरण के कार्यों का लोकार्पण किया। इस मौके पर कानून मंत्री बृजेश पाठक, अपर मुख्य सचिव नगर विकास रजनीश दुबे और महापौर संयुक्ता भाटिया भी उपस्थित थीं। नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कराए जा रहे कार्यों के बारे में जनता को अवगत कराया। कानून मंत्री बश्जेश पाठक ने सभी को इस उपवन पार्क के सौंदर्यीकरण की बधाई दी। कहा कि सरकार जनहित के कार्यों को लगातार आगे बढ़ा रही है। महापौर संयुक्ता भाटिया ने कहा कि लखनऊ को स्वच्छता सूची में नम्बर वन बनाने का संकल्प लिया गया है। सभी लोगों के सहयोग से यह लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। पार्कों के सुंदरीकरण पर नगर निगम विशेष ध्यान दे रहा है। नगर आयुक्त अजय कुमार द्विवेदी ने नगर विकास मंत्री के उपवन पार्क में म्यूजिक लगाए जाने के सुझाव को तत्काल प्रभाव से लागू करने का आश्वासन दिया। गोमती नगर जनकल्याण महासमिति के महासचिव डॉ राघवेन्द्र शुक्ल ने कहा कि महासमिति इसी प्रकार से लगातार जनमानस की सेवा में निरंतर कार्य करती रहेगी। साथ ही साथ शासन और प्रशासन को साधारण जनमानस की समस्याओं के निराकरण हेतु प्रतिबद्ध रहेगी। समारोह में गोमतीनगर जनकल्याण महासमिति के अध्यक्ष डॉ बी एन सिंह, अनुराग यादव सचिव, पार्षद रामकृष्ण यादव, राजेश सिंह गब्बर, शैलेन्द्र वर्मा, अरुण राय, गोमतीनगर नगर जनकल्याण महासमिति के सचिवगण आलोक मिश्र, सीजी नायर, आर पी शुक्ल, अमित शर्मा आईटी महिला प्रभारी नंदिनी मिश्रा, धर्म जागरण प्रमुख मनोज, दीपा टंडन, अर्चना शुक्ला तथा समस्त महिला कार्यसमिति की सदस्यगण उपस्थित रही।

लखनऊ विकास प्राधिकरण के भ्रष्ट अवर अभियंता व सहायक अभियंता के भ्रष्ट कारनामों को लेकर विहिप अधिकारी अमित राठौर ने साधी चुप्पी ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के बाद निर्माण पूर्ण कराया

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन जोन 1 में तैनाती पाते ही प्रभावशाली अवैध निर्माणो के हिमायती अवर अभियन्ता रवि प्रकाश यादव व सहायक अभियंता अजय गोयल के द्वारा जहॉ तैनाती क्षेत्र मे बड़े पैमाने पर लखनऊ विकास प्राधिकरण के नियमों के विपरीत आवासीय भूखण्डो मे व्यवसायिक व बहुमंजिला निर्माण कार्य कराकर अध्यासित करवाए जा रहे है, वही अवैध निर्माणो के हिमायती उक्त अवर अभियंता व सहायक अभियंता के द्वारा गोमती नगर के विजय खंड लोहिया चौराहे के पास नियम विरुद्ध बनाए गये बहुमंजिला अवैध निर्माण के खिलाफ पूर्व प्रवर्तन अधिकारियो द्वारा शीलिंग की कार्यवाही करने के साथ ही

पूर्व मे प्रवर्तन जोन 1 के विजय खण्ड मे तैनात तत्कालीन अवर अभियन्ता एसके सिंह के द्वारा विहित प्राधिकारी के निर्देश पर लोहिया चौराहे के पास विजयखण्ड के भू.सं–1/4 के पास बने बहुमंजिला अवैध निर्माण के विरुद्घ पुलिस बल की उपस्थिति मे ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गयी थी, वही वर्तमान मे तैनात प्रभावशाली अवर अभियन्ता रविप्रकाश यादव व सहायक अभियंता अजय गोयल ने फिर से पत्रवाहक राजेश पाण्डे की कथित भूमिका के चलते उक्त ध्वस्तीकृत बहुमंजिला आवासीय भूखण्ड पर नियम विरुद्ध बहु मंजिला निर्माण को पूर्ण करवा दिया गया? गौरतलब बात यह है कि विहिप अधिकारी अमित राठौर ने अवर अभियंता व सहायक अभियंता के भ्रष्ट कारनामों को लेकर चुप्पी साध रखी है। उक्त अवर अभियंता व सहायक अभियंता की अवैध निर्माणों में संलिप्तता को लेकर अवासीय एवं शहरी नियोजन अधिनियम की धारा 26 घ के तहत विभागीय कार्यवाही न करके भ्रष्ट अवर अभियंता रविप्रकाश यादव का अवैध निर्माणों को कराने में सहयोग कर रहे हैं।

संगोष्ठी व उन्मुखीकरण बैठक हुआ सम्पन्न, विद्यालय विकास पर की गई चर्चा

अवध की आवाज ब्यूरा

मनकापुर गोंडा। दिनांक 4 दिसंबर 2021 को महानिदेशक स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक कार्यालय के निर्देशानुसार कार्यालय खंड शिक्षा अधिकारी हलधरमऊ गोंडा में एस0 एम0 सी0 के अध्यक्ष , सचिव एवं ग्राम प्रधान की ब्लॉक स्तरीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम को डायट प्रवक्ता अमित कुमार मिश्र ने संबोधित करते हुए कहा की कितने कम समय में हमारे अधिकांश विद्यालयों में टाइल्स लग चुकी है विद्युत का कनेक्शन हो चुका है शौचालय बन चुके है पंखे लग चुके हैं टेबल चेयर डेक्स बेंच आ चुकी है ऐसा विद्यालय के शिक्षक ,ग्राम प्रधान एवं एस एम सी सदस्यों के ताल – मेल और आपसी सामंजस्य के कारण सम्भव हो पाया है ।

आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन– 2022 में कानून व्यवस्था/सुरक्षा/शान्ति व्यवस्था के संबंध में बैठक सम्पन्न

सीतापुर (सू0वि0) जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 में कानून व्यवस्थाध सुरक्षाध्शान्ति व्यवस्था के संबंध में बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने मा0 निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये निर्देशों का शतप्रतिशत पालन कराने के निर्देश सभी उपजिलाधिकारियों, क्षेत्राधिकारियों को दिया। उन्होंने निर्देश दिये कि समय सीमा के अन्दर ही दिये गये निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि लक्ष्य पूर्ति की साप्ताहिक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाये तथा निर्वाचन संबंधी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाये। उन्होंने उपजिलाधिकारियों एवं क्षेत्राधिकारी को निर्देश दिये कि अतिसंवेदशील पोलिंग बूथों का भ्रमण करते रहें तथा जहां जहां पर पूर्व में कोई भी घटना घटी हो उन स्थलों पर प्राथमिकता के आधार पर भ्रमण सुनिश्चित करते हुये मा0 निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये निर्देशों को पालन सुनिश्चित करायें। उन्होंने निर्देश दिये कि अवैध मदिरा निर्माण में संलिप्त लोगों को चिन्हित करते हुये उन पर कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि ऐसे अपराधी जिन पर गैंगस्टर, बलात्कार, हत्या, डकैती, लूट, वाहन चोरी आदि आपराधित मुकदमें पंजीकृत हैं उनका सत्यापन हर हाल में सुनिश्चित कराया जाये कि वर्तमान समय में वह जेल में हैं या बाहर हैं तथा वह किन कार्यों व व्यवसायों में लिप्त हैं। ऐसे अपराधियों की सूची तैयार कर उनकी

समय–समय पर मानिटरिंग करने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिये। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक आर0 पी0 सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अक्षत वर्मा, अपर जिलाधिकारी राम भरत तिवारी, अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी डा0 राजीव दीक्षित, नगर मजिस्ट्रेट पूजा मिश्रा सहित सभी उपजिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी उपस्थित रहे।

दस से पन्द्रह रूपये प्रति सैकड़ा सिक्कों में हो रही कटौती

अवध की आवाज ब्यूरा

मनकापुर गोंडा। देश में नोट बन्दी के बाद से ही छोटे व्यापारियों के लिए एक व दो रूपये के सिक्के सिरदर्द बने हुए हैं बड़े दूकानदारों द्वारा सिक्का ना लेने की शिकायतों पर जिला प्रशासन द्वारा फ़रमान भी जारी किये गए किन्तु धीरे धीरे विरोध का स्वर प्रस्फुटित होना बन्द गया थक हार कर छोटे और बड़े व्यापारियों के मध्य प्रति सैकड़ा कटौती करने का समझौता हुआ जिसे स्वीकार करना ही फुटकर दुकानदारों की विवशता बन गयी है। थोक व्यापारियों के मुताबिक़ फुटकर दुकानदार सिक्के अधिक लाते हैं जिन्हें गिनने और आढ़तियों को देने में बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ता है, विगत वर्ष से जिले में कुछ बिचौलिए इन सिक्कों की खेप को दस से पन्द्रह रूपये प्रति सैकड़ा कटौती करके नोट में कन्वर्ट कर रहे हैं, इसलिए स्थानीय बाज़ारों में थोक व्यापारियों द्वारा सिक्के में दस रूपये प्रति सैकड़ा कटौती करना उनकी मजबूरी बन गयी है। इसका दुष्प्रभाव फुटकर दुकानदारों की आमदनी पर सीधे पड़ने के साथ सिक्कों में प्रति सैकड़ा कटौती का गोरखधंधा करने वालों की दूकान बड़ी तेजी से चल रही है । धानेपुर बाज़ार में इसकी पड़ताल की गयी तो एक फुटकर फूड कॉर्नर के संचालक ने जो की टाफी, बिस्कुट, नमकीन, चिप्स, कुरकुरे, इत्यादि खाद्य सामाग्री बेचते हैं, उन्होंने बताया की खाद्य सामानों की थोक खरीदारी करने पर सिक्के व्यापारी द्वारा तभी लिए जाते हैं जब उन्हें हजार रूपये के सिक्कों के बदले ग्यारह सौ दिए जाते हैं, यदि कटौती न दिया जाय तो सिक्का लेने से मना कर दिया जाता है, दूकान संचालक ने बताया की दो रूपये से ले कर पांच रूपये तक का फुटकर सामना बेच कर सिक्के ही इकट्ठा होते हैं, कटौती का कोई विरोध इसलिए नही करता क्योंकि व्यापारिक सम्बन्ध खराब होने का खतरा बना रहता है, इसलिए फुटकर दुकारदार मुखर विरोध करने से कतराते हैं।

गौराचौकी निवासी छात्र नवनीत मित्तल ने मुख्यमंत्री से पुरस्कार ग्रहण कर स्कूल सहित क्षेत्र का नाम रोशन किया

सांसद सहित क्षेत्रवासियों ने छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की

अवध की आवाज ब्यूरा

मनकापुर गोंडा। गौराचौकी निवासी छात्र नवनीत मित्तल ने पर्यावरण विषय पर अपना हुनर दिखाकर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर पिता शिवकुमार मित्तल सहित क्षेत्र का मान बढ़ाया।विदित हो कि राजधानी लखनऊ में नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान का 100वाँ स्थापना दिवस मनाया गया था। जिसमें राज्य के सभी अग्रणी विद्यालयों ने भाग लिया था।ऊनमे लखनऊ पब्लिक कॉलेज के ग्यारहवीं कक्षा के छात्र नवनीत मित्तल को पर्यावरण व नुक्कड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।नाटक के माध्यम से प्रतिभागी दिव्यांशु झा,सैयद हुसैन,खुशी मिश्रा,अवनीष यादव,शांभवी तोमर,वैभव यादव,यश यादव आदि छात्रों ने समाज को पर्यावरण सुरक्षा का संदेश दिया।मेधावी छात्र नवनीत मित्तल ने बताया कि जनसंख्या में तीव्र वृद्धि के कारण प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक उपभोग व तीव्र दोहन हो रहा है। जिसका परिणाम मानव जाति और उत्तरजीविता के लिए खतरा उत्पन्न कर रहा है।प्रतिभावान छात्र नवनीत मित्तल के पिता व ग्लोरियस पब्लिक स्कूल एवं श्री बाबूलाल कमलापुरी इंटर कॉलेज बभनजोत गौरा चौकी के डायरेक्टर एस के मित्तल ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए नवनीत के सिविल सर्विसेज परीक्षा उत्तीर्ण कर प्रशासनिक सेवा के लक्ष्य के बारे में बताया। इस अवसर पर गोंडा सांसद कीर्तिवर्धन सिंह उर्फ राजा भैया,पूर्व जिला जज लालता प्रसाद पांडेय,गौरा विधायक प्रभात वर्मा,रिंकू कमलापुरी, एकता मित्तल सहित क्षेत्र के तमाम लोगों ने हर्ष व्यक्त किया तथा मेधावी छात्र के उज्जवल भविष्य की कामना की।

संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम और एसपी की बड़ी कार्रवाई, ग्राम देवरिया के पूर्व प्रधान के खिलाफ एफआइआर के आदेश व पीड़िता की तहरीर पर उसके बच्चे का डीएनए टेस्ट कराने के आदेश

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। मामला मनकापुर कोतवाली का है जहां संपूर्ण समाधान दिवस में एक पीड़िता द्वारा पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया गया कि ग्राम देवरिया के पूर्व प्रधान द्वारा राम निवास वर्मा उर्फ ननकू वर्मा द्वारा उसका यौन शोषण किया गया और पूर्व प्रधान से उसे एक बेटा भी है। परंतु अब पूर्व प्रधान द्वारा उसको रखने से इनकार किया जा रहा है और प्रॉपर्टी में कोई हिस्सेदारी नहीं दी जा रही है। मामले पर संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक श्री संतोष कुमार मिश्रा और जिलाधिकारी महोदय ने एसएचओ मनकापुर को प्रकरण में तत्काल एफआईआर दर्ज करने तथा बच्चे का डीएनए टेस्ट कराने के आदेश दिए हैं। जिलाधिकारी ने बताया डीएनए रिपोर्ट आने के बाद यदि बच्चा पूर्व प्रधान का ही निकलता है तो उसे नियमानुसार प्रॉपर्टी में हक दिलाया जाएगा।

दहेज हत्या का वांछित अभियुक्त 24 घण्टे के अन्दर गिरफ्तार

अवध की आवाज ब्यूरो

मनकापुर गोण्डा।।पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा ने अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत वांछित अभियुक्तो की शीघ्र गिरफ्तारी करने के निर्देश जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षो को दिये थे। दिनांक 03.12.2021 को थाना मनकापुर पर दहेज हत्या से सम्बन्धित मु0अ0सं0–358/21, धारा 498ए, 323, 506, 304बी भादवि व 3/4 डी0पी0एक्ट पंजीकृत किया गया था। पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा ने घटना का संज्ञान लेते हुए अभियुक्तगणो की शीघ्र गिरफ्तारी करने हेतु तीन टीमों का गठन किया गया था। जिसमें क्षेत्राधिकारी मनकापुर के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा घटना से सम्बन्धित अभियुक्त धर्मेन्द्र उर्फ सोनू (मृतका का पति) को 24 घण्टे के अन्दर गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्राधिकारी मनकापुर को प्रकरण में फारेंसिक व तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर विवेचना करते हुए घटना से सम्बन्धित अन्य अभियुक्तो की शीघ्र गिरफ्तारी करने के निर्देश दिये है। पुलिस अधीक्षक द्वारा गिरफ्तारकर्ता टीम को नकद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है।

सम्पादकीय

शिक्षा व संस्कृति का संवर्धन

उत्तर प्रदेश में विगत साढ़े चार वर्षों की अवधि में मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय व अन्य शिक्षण संस्थानों की रिकार्ड स्थापना हुई है। यह कार्य आगे बढ़ रहा है।

बेसिक व प्राइमरी विद्यालयों के सुधार हेतु ऑपरेशन कायाकल्प संचालित किया जा रहा है। बच्चों को पारदर्शी तरीके से सुविधाएं प्रदान की जा रही है। प्रदेश के प्रत्येक जनपद में मेडिकल कॉलेज स्थापना का कार्य प्रगति पर है। पिछले कुछ समय में अनेक विश्वविद्यालयों व मेडिकल कॉलेजों का लोकार्पण–शिलान्यास किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहते हैं कि शिक्षण संस्थानों के भवन व नाम में भारतीय स्वाभिमान, शौर्य व संस्कृति की झलक मिलनी चाहिए। सहारनपुर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मां शाकुम्भरी देवी राज्य विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया।

सहारनपुर में पुंवारका ब्लॉक में बनने वाले राज्य विवि का नाम प्रदेश सरकार ने मां शाकुम्भरी देवी के नाम पर किया है। सहारनपुर में बनने वाला मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय में अगले वर्ष पढ़ाई शुरू हो जाएगी। छात्रों की डिग्री पर मां शाकुम्भरी का चित्र अंकित रहेगा। मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय की स्थापना सहारनपुर जनपद की तहसील सदर के ग्राम पुवांरका में पचास एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में की जाएगी। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन, शैक्षणिक भवन, छात्रावास,आवासीय भवन आदि के निर्माण हेतु प्रथम चरण में करीब बानवे करोड़ रुपये की लागत के निर्माण कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इस विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों हेतु लोक निर्माण विभाग को कार्यदायी संस्था बनाया गया है। मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में सहारनपुर मण्डल के तीनों जनपद मुजफ्फरनगर, सहारनपुर एवं शामली को सम्मिलित किया गया है। इन तीनों जनपदों के ढाई सौ से अधिक महाविद्यालय इस विश्वविद्यालय से संबद्ध किए गए हैं। विश्वविद्यालय की स्थापना से सहारनपुर मण्डल के छात्र–छात्राओं को निकटतम स्थान पर ही उच्च शिक्षा की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री द्वारा देवरिया मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण किया गया था। यह मेडिकल कॉलेज महर्षि देवरहा बाबा के नाम पर स्थापित हुआ है। वर्तमान सरकार के पहले तक सत्तर वर्षों में प्रदेश में केवल बारह मेडिकल कॉलेज बने थे। विगत पांच वर्षों में भारत सरकार की सहायता से प्रदेश में तैतीस नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जा रहे हैं। गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक की स्थापना की गई है। गोरखपुर में एम्स की स्थापना की जा रही है। वर्तमान प्रदेश सरकार ने कस्तूरबा गांधी विद्यालय में व्यापक सुधार किया है। यह विद्यालय पहले आठवीं कक्षा तक थे। उसे बढ़ाकर बारहवीं कक्षा तक किया जा रहा है। इससे प्रदेश की गरीब कन्याओं को शिक्षा के बेहतर अवसर मिलेंगे। उनकी प्रतिभा का लाभ देश और समाज को प्राप्त होगा। अनेक स्थानों पर कस्तूरबा गांधी विद्यालय का विस्तारीकरण का कार्य कराया जा रहा है।

कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेधावी छात्र–छात्राओं को स्कॉलरशिप की साढ़े चार सौ करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि ऑनलाइन भेजी। वर्तमान सरकार ने पूर्ववर्ती सरकारों की तरह राजनीतिक प्रतिशोध और प्रतिद्वंद्विता के तहत बच्चों के जीवन के साथ खिलवाड़ नहीं किया। शासन की लोक कल्याणकारी योजनाओं को बाधित नहीं किया गया। पिछले पांच वर्ष के दौरान शासन की योजनाओं को हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य हो रहा है। अनुसूचित जाति जनजाति के बच्चों के लिए निशुल्क कोचिंग की व्यवस्था की गई। अल्पसंख्यक समुदाय के बच्चों के लिए कोचिंग की व्यवस्था की गई। अन्य सभी बच्चों के लिए योजनाएं समय व पारदर्शी तरीके से पहुंचाई गयी हैं। अभ्युदय योजना के तहत बच्चों को निःशुल्क कोचिंग की सुविधा दी जा रही है। समाज कल्याण विभाग को निर्देशित किया कि जल्द ही अभ्युदय योजना को समाज कल्याण विभाग सभी जिलों में लागू करे। अभ्युदय योजना अभी तक अठारह जिलों में ही संचालित है। ज्यादा से ज्यादा युवाओं को तकनीक से जोड़ा जा रहा है।

दो दिन पहले बारह लाख से अधिक बच्चों को स्कॉलरशिप दी गई। चार सौ अट्ठावन करोड़ से अधिक रुपये शुल्क प्रतिपूर्ति के रूप में उपलब्ध कराई गयी है। गत दो अक्टूबर को प्रदेश सरकार ने लगभग सत्तावन लाख बच्चों को स्कॉलरशिप की किस्त भेजी थी। कोरोना महामारी के कारण बड़ी संख्या में हमारे स्कूल कॉलेज शुरू नहीं हो पाए थे। देर से दाखिला होने के कारण सरकार के पास पूरी संख्या नहीं आ पायी थी। इसके कारण स्कॉलरशिप को अलग–अलग किस्तों में भेजना पड़ रहा है। इस स्कॉलरशिप योजना से बच्चों को पढ़ाई में मदद मिलती थी। वर्तमान सरकार की अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक शासन की योजनाओं को पहुंचाना उद्देश्य है। इसके लिए सरकार अपनी ओर से सभी प्रयास करती थी। इसके लिए जागरूकता भी उतनी ही जरूरी है।

दिसंबर से मार्च तक स्मार्ट फोन एवं टैबलेट राज्य सरकार दिसंबर से मार्च तक बच्चों को स्मार्ट फोन एवं टैबलेट बांटने की योजना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के बच्चों को अच्छा वातावरण मिलना चाहिए। राज्य सरकार इसी दिसंबर महीने में युवा छात्रों के लिए स्मार्ट फोन एवं टैबलेट वितरण करने की बड़ी कार्ययोजना पर काम कर रही है। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को यह लाभ दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि समय पर उनके नाम अपलोड हों। उन्हें एक निश्चित योजना के तहत दिसंबर से लेकर मार्च तक स्मार्ट फोन एवं टैबलेट देने के लिए पूरी तैयारी करनी होगी। इसे हमें निरंतर आगे बढ़ाना होगा। राज्य सरकार कल्याणकारी योजना में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

युवाओं के उत्थान के लिए प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध है। प्रदेश सरकार ने यह तय किया है कि राज्य के स्नातक,स्नातकोत्तर, आईटीआई, पॉलीटेक्निक,नर्सिंग, फार्मेसी, मेडिकल तथा इंजीनियरिंग कॉलेजों में पढ़ने वाले सभी एक करोड़ युवाओं को टैबलेट स्मार्टफोन प्रदान किया जाएगा। इसके लिए अगले महीने से सांसद एवं विधायक अपने क्षेत्रों में जगह–जगह कैम्प लगाकर युवाओं को टैबलेट स्मार्ट फोन देने का कार्य करेंगे। वर्तमान सरकार ने प्रदेश में विगत साढ़े चार वर्ष में पूरी निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ बिना किसी भेदभाव के साढ़े चार लाख युवाओं को सरकारी नौकरियों में नियोजित किया है। राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश में हुए निवेश से एक करोड़ इकसठ लाख से अधिक नौजवानों रोजगार प्राप्त हुआ है। एक जनपद एक उत्पाद योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना सहित अन्य योजनाओं के माध्यम से साठ लाख से अधिक लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने का कार्य हुआ है।

तुम्हारा अच्छे दिन तुम्हे हो मुबारक ,हमारा 2014 से पहले वाला भारत हमें लौटा दो - खबरी लाल

–विनोद तकिया वाला–

सुनो!सुनो!कोई तो हमारी सुनो कहाँ खो गये हो सारे के सारे इस कमर तोड महंगाई की इस महामारी में।देश के दानवीरों समाज के समाज सेवीयों , राजनीतिक दल के राजनेताओं,देश भक्तो कोई तो हमारी भी सुनो !क्या इसी दिन के लिए भारत के हमारे वीर सपूतों ने अंग्रेजो के खिलाफ लड़ते लड़ते फॉसी के फन्दो को चुमा था । क्या गाँधी के सपनो का भारत यही है।राम कृष्ण नानक बुद्ध महाबीर कबीर श रविदास श रस खान मीरा राजेन्द्र शनेहरू श पटेल प्रेमचंद की यही घरा जो विश्व गुरु था यही है।जहाँ आज स्वपनों के सौदागर ने यहाँ की भोली भाली जनता को पहले तो बहुत ही स्वर्णिम दिवा स्वपन दिखाये।जिसे उनके अन्ध भक्तो ने यहाँ की सीधी साधी जनता के समाने महिमा मंडित करने मे कोई कसर नही छोड़ी ब्लकि गोदी के चाटुकार पीत पत्रकारिता करने ने भाड़ कथा कथित खबरिया चौनल ने महिमा मंडित करने मन कर्म व बचन से लगे है। इसका ताजा तरीन दृश्य को भारत की जनता कभी भी नही भुल पायेगी। आप को याद होगा जब एक सिर फिरी ने सिने अभिनेत्री ने भारत के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित होने के मीडिया कर्मी से बात चीत के दौरान अपने आका के तारीफ मे पुल बाँधते हुए कही कि–असली आजादी तो सन 2014 को भारत को मिली है।इस बेतुका बयान देने वाद सतारूढ़ की केंद्र सरकार व राज्यों की सरकारें ने किसी सांसदधविधायक ने विरोध नही किया ब्लकि सिर फिरी अभिनेत्री की तारीफ करते थकते नही है ब्लकि दबी जुबान राज्यसभा की भावी सदस्यता की चर्चा कर रहे है। वही दुसरी ओर जहाँ गोदी के दरबारी मीडिया चौनलो की घंटो –घंटों तक कुत्ता –बिल्ली की बहस करने वाले ने खबर तक नही चलाई।वही विपक्षी राजनेताओं ने अपनी टियुट्टर हैन्डल पर टियुट कर अपनी कर्तव्य का पालन कर शान्त हो गये।हमारे व आप के जैसे साघारण जनता से जान अजाने ने इस तरह की जुबान से निकल जाती है तो देश के सभी जाँच ऐजेन्सियॉ पीछे लगा दी जाती ही नही ब्लकि इनके अन्ध भक्तो की पुरी सेना गोदी मीडिया के सारे खबरिया चौनलो पर ब्रक्रिग न्युजशघंटो घंटों बहस छिड जाती।व्हाट एप युनिवर्सिटी भी पोस्ट की वाढ आ जाती लेकिन आज सभी–सभी के सरकारी अर्ध सरकारी जाँच ऐजेन्सियाँ राजनीतिक दलो के भोपू जैसे प्रवक्ताओं को मानो सॉप सुध लिया हो।हमे तो लगता है कि सभी का ध्यान अगामी पाँचो राज्यो के विधान सभाओं के चुनाव पर गिद्ध दृष्टि गढ़ाये हुए। किसी तरह अपने आकाओ को ऐन केन प्रकरण सता की कुर्सी अपने लाडले मुख्य मंत्री को आसान पर विराज मान कर आगामी 2024 के लोक सभा चुनाव में विजयी होने तथा दिल्ली दरबार में पुनः आसीन होने का रास्ता बिना किसी व्यवधान के दिल्ली की सिंघासन पर कब्जा कि जाय ।

भले इसके लिए चाहे जो भी करना पडे हम करेगेश्चाहे इसके लिए मुख्य मुद्दा से भारतीय जन मानस व प्रजातंत्र के भगवान के सामने जो कृत्रिम मुददे तैयार करना पडे ,शाम,दण्ड श भेद का इस्तेमाल करना पडे सभी करें । जितना भी झुट बोलना पडे धार्मिक भावनाओं का खेल खेलना पडे श्खेलो सारे सरकारी तंत्र व अफसरे के लास लस्कर को लगा ना पड़े।केन्द्र सरकार के मंत्री गण श पार्टी के समस्त पदाधिकारी गण संघ के समस्त शक्तियाँ श्धर्म–मठ के मठाधीशों।

सरकारी खजानो संवैधानिक पदो को दुर उपयोग करना पडे हम पीछे नही रहे गे !

ऐसे मे मुझे तो चारो तरफ अंधकार दिखाई पड रही है। बेचारी वेवश जनना जर्नादन यह कहने को विवस हो गयी है इसका प्रत्यक्ष उदाहरण आपके समक्ष है। आये एक नजर अंघ भक्तो की सच्चे अच्छे आजादी के दिनो की तुलना स्वतंत्रता संग्राम से मिली आजादी व 70 साल की आजादी जिसका आज जगह सरकारी खर्चो पर आजादी अमश्त महोत्सव मनाने मे मदमस्त हाथियो की तरह झुम रहे है। वही दुसरी आज कल तुफानी दौरान शिलान्यास व उद्घाटन समारोह की विन मौसम बरसात की झड़ी लगी है वही दुसरे ओर एक देश द्रोही बकरी सरकारी दफ्तर से अति गोपनीय दस्तावेज की फाईल ले कर फरार हो जाती है। सरकार के नुमाइंदों यह कह कर कि यह संवेदन सील घटना है। इसकी जाँच होगी कल उत्तर प्रदेश के एक जिले सिचाई विभाग द्वारा निर्माणाधीन सड़क के शुभ शुभारम्भ समारोह मे स्थानीय विधायिका ने नारियल तोड़ने के लिए पहुंची लैकिन नारियल तो फुटा नही सरकारी फंड से निर्माण वाले सड़क ने खुद ही अपनी आका के आदेश का उल्लंन ना हो इसी लिए खुद उखड़ गई । ऐसी स्थिति मे आप वारी आने का इंतजार करे अपने जनता धर्म पालन करने का । यह तभी सम्भव है जब आप इसे जरा ध्यान से पढे सोचे व आप ना निर्णय मुझे नही ब्लकि अगामी पाँच राज्यो के विधान सभा के चुनाव मे एक निश्पक्ष निर्भिक श जिम्मेदार भारत के नागरिक होने का फर्ज निभाने मे महत्व पूर्ण भूमिका निभाये ! जहाँ आज के सपने के सौदागर जो 2014 के पहले महँगाई क डायन कहते थकती नही थी वही आज अपने ख्याली पुलाव पकाने वाले ट्रिलियों मिलियन डालरों केश विश्व गुरु भारत आजादी के अमश्त महोत्सव मनाने सारे सरकारी खजानो को खाली करने मे लगा है। तभी नाम परिवर्तन अभियान के कुछ घंटो के समारोह के करोड़ो करोड जनता की गाढ़ी टेक्स की पैसे पानी की बहा रही है बही दुसरी तरफ सुरशा की फैलाये हुए मुहँ की तरह महंगाई डाईन निगलने को .आतुर है। चाहे वह प्रीपेड मोबाइल रिचार्च 25 प्रतिशत बढ़ गए,हेल्थ इंश्योरेंस 35 से 40 प्रतिशत बढ़ा दिया गया है। 5 का प्लेटफार्म टिकिट अब 50 का इसलिए है क्योंकि स्टेशन खरीदते अडानी को कोई दिक्कत न हो।कपड़े जूतों पर जीएसटी का जजिया 5 प्रतिशत से बढ़ा कर 12 प्रतिशत कर दिया गया है।60 का पैट्रोल 100 का और 350 वाला गैस सिलेंडर हजार का ले रहा हूँ।75 रूपये लीटर वाला सरसों तेल 200 का है।रेलवे का यात्री भाड़ा 75 प्रतिशत तक बढ़ चुका है।हवाई किराया में लगभग 40 प्रतिशत की वश्द्धि है।'स्टेशन पर 5 रूपये वाली मोटरसाइकिल पार्किंग का 100 रूपये तक वसूला जा रहा है।ऊपर से दुख का आलम ये है कि चतुर चालक् एक चाय वाला मेरे 15 लाख ब्याज सहित खा कर बैठा हैकृ कुछ समय महँगाई रूपी डॉयन को उद्घाटन समारोह श शिलान्यास समारोह नाम शुद्धिकरण व परिवर्तन केमहायज्ञ समारोह चुनावी जन सभा समारोह आदि में चकाचौंधा में मुक दर्शन बन रहने की आदेश दिया है। तभी तो हनुमान जी पूँछ की तरह प्रत्येक दिन पट्रोल के बढते दाम पर विराम प्लेटफार्म टिकट में कटोती रेल किराया मे कटौती श लैकिन रेल मंत्री का रेलवे के घटा का रोना तथा कोरोना के नाम पर सारी रियायते को बहाल नही करना इस 56 का सीना वाली सरकार की नीति – नियति स्पष्ट नजर है क्योंकी इनके महंगाई के समर्थक नामक नये प्राणी का प्रार्दुभाव हो गया है। जो कि अंध भक्तो की महायज्ञ में पूर्ण अंध भक्ति महंगाई कट्टर समर्थक अपना सर्वस आहुति की समिधा डालने को आतुर है। ऐसे विषम पस्थितियो में एक आम नागरिक तो अपने प्रधान सेवक जी से यह कहने को मजबूर हो गया है कि प्लीज नही चाहिए मुझे अच्छे दिन । तुम्हाराअच्छे दिन तुम्हे मुबारक हो , हमे बापस लौटा दो 2014 के पहले वाला भारत ।

आप भले ही मेरे द्वारा उपरोक्त आंकड़े मे कुछ चुनावी बसंत के इस मौसम में महलम पट्टी लगाने की कोशिश की गई है ,ताकि अगामी पाँच राज्यो के विधान में राज्य के जनता जर्नादन की ऑखो मे घुल डाल कर राज्य में अपनी सरकार बना कर 2024 आगामी लोकसभा चुनावों में प्रबल दावेदार के रूप पेश कर सके! लेकिन प्रजातंत्र के सच्चे नागरिक अपने आकाओं के मकशद–मसौदा श्मनसुवे से भली भाँति पूर्व परिचित हो चुका है।आप स्वयं जिम्मेदार व समझदार है।आप अपना व अपनो का भला व भलाई स्वयं ही करे!हमे तो क्या।फिलहाल यह कहते हुए – ना ही काहूँ से दोस्ती ना ही काहूँ से बैर।

खबरीलाल तो माँगे,सबकी खैर।

भोपाल गैस त्रासदी 37वीं बरसी और पद्मश्री अब्दुल जब्बार का संघर्ष

–जावेद अनीस–

भारत सरकार द्वारा बीते 8 नवंबर को भोपाल गैस पीड़ितों के हितों और अधिकारो के लिए अपना जीवन समर्पित कर देने वाले स्वर्गीय अब्दुल जब्बार को मरणोपरांत पद्मश्री से सम्मानित किया गया. यह पुरस्कार राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में भारत के राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद द्वारा स्वर्गीय जब्बार भाई की पत्नी सायरा बानो को प्रदान किया गया. यह सम्मान सिर्फ जब्बर भाई नहीं बल्कि गैस पीड़ितों के उस 37 साल के संघर्ष का भी सम्मान है जो 1984 में दुनिया के सबसे बड़े औद्योगिक आपदा के बाद शुरू हुई थी जिसने अपनी झीलों की तरह शांत शहर भोपाल की पहचान को हमेशा के लिये बदल दिया था. आज भोपाल की पहचान अपने झीलों से अधिक इस त्रासदी की वजह से हैं. यूनियन कार्बाइड नामक अमरीकी कंपनी में जहरीली गैस रिसाव के चलते लगभग पचीस हजार लोगों की मौत हो गई थी और करीब साढ़े पांच लाख से अधिक लोग गैस की चपेट में आने के कारण बीमार हो गये थे।

आज इस त्रासदी के 37 साल बीत चुके हैं और लाखों पीड़ित इंसाफ की राह तकते–तकते थक चुके हैं। यह त्रासदी इतनी भयावाह थी कि आज भी इसकी वजह बनी मिथाइल आइसो साइनाइट (मिक) नाम की जहरीली गैस का प्रभाव यहां की चौथी पीढ़ी पर देखा जा सकता है. करोना महामारी के दौरान भी इस त्रासदी का असर देखने को मिला है. इस संबंध में भोपाल ग्रुप फार इनफार्मेशन एंड एक्शन द्वारा किये गये विश्लेषण के अनुसार भोपाल में करोना से अभी तक जो आधिकारिक मौतें हुयी हैं उसमें 47 प्रतिशत गैस पीड़ित थे। गौरतलब है की गैस पीड़ितों के फेंफड़े पहले से ही कमजोर हैं और अधिकतर पीडतों को फेंफड़े से सम्बंधित बीमारियाँ भी हैं ऐसे में उनपर कोविड का असर ज्यादा रहा है।

एक दूसरी त्रासदी यह भी है कि आज भोपाल गैस काण्ड के करीब चार दशक होने को आये हैं लेकिन इस दौरान गैस पीड़ितों के तमाम संघर्षों के बावजूद अभी तक किसी भी सरकार द्वारा इसके प्रभावों का व्यापक मूल्यांकन करने और पीड़ितों के आवश्यक उपचारात्मक उपाय करने की दिशा में ठोस पहल नहीं की गयी है. आज भी पीड़ितों के मुआवजे, उनके स्वास्थ्य देखेभाल, जिम्मेदारों को सजा और प्रभावित क्षेत्र में जहरीले कचरे के निपटारन का सवाल बना ही हुआ है।

मुआवजे की स्थिति यह है कि इस गैस कांड में अपनी पति को खो चुकी महिलाओं को विधवा पेंशन के तहत प्रति माह मिलने वाले 1000 रुपये के लिए भी भटकना पड़ रहा है. इसी प्रकार से भोपाल गैस पीड़ितों के स्वास्थ्य और देखभाल को लेकर भी सरकारें उदासीन रही हैं यहां तक कि अधिकतर गैस संबंधी बीमारियों के इलाज के लिए कोई मानक प्रोटोकॉल भी नहीं बनाया गया है. दूसरी तरफ अधिकांश गैस पीड़ितों को ष्अस्थायी रूप से घायल के रूप में वर्गीकृत किया जा रहा है इसके पीछे सीधा खेल यह है कि उनको ज्यादा मुआवजे से वंचित किया जा सके. गैस कांड का जहरीला कचरा भी भी कारखाने के अंदर और जमीन के भीतर दफन है. गैस पीड़ित संगठनों का कहना है कि हर साल बारिश के मौसम में इस कचरे से आस–पास की बस्तियां प्रभावित हो रही हैं, अभी तक करीब 48 बस्तियों में इसका असर देखा जा चुका जिसके चलते इन बस्तियों में भूजल के उपयोग पर रोकभी लगा दी गयी है. जिम्मेदारों के सजा की बात करें तो अब इसकी उम्मीद बहुत कम ही बची है।

पद्मश्री अब्दुल जब्बर ने 35 सालों तक गैस पीड़ितों के इन्हीं सवालों को लेकर संघर्ष किया और अपने अंतिम समय तक इस संघर्ष का चेहरा बने रहे. 1984 में हुए भोपाल गैस कांड के सभी पीड़ितों के इंसाफ के लिए शुरू हुई उनकी लड़ाई उनके अंतिम दिनों तक निरंतर जारी रही. अपने इसी संघर्ष के बूते ही वे लाखों गैस पीड़ितों को मुआवजा और यूनियन काबाईड के मालिकों के खिलाफ कोर्ट में मामला दर्ज कराने में कामयाब रहे थे. लेकिन 14 नवंबर 2019 को उनका निधन हो गया था जिसका असर आज इस संघर्ष पर साफ–तौर पर देखा जा सकता है. भोपाल गैस कांड के 37वीं बरसी के मौके पर जब्बार भाई को याद करना गैस पीड़ितों के पूरे संघर्ष को याद करने के समान हैं। उन्हें मरणोपरांत पद्मश्री दिया जाना एक अच्छा कदम है लेकिन गैस पीड़ितों को सम्मान के साथ–साथ इंसाफ की भी जरूरत है जो अभी तक उन्हें मिल नहीं सका है, अगर आज जब्बार भाई हमारे बीच होते तो वो भी यही बात दोहराते और हम सबसे ज्यदा बुलंद आवाज में दोहराते।

अमेरिका में किताबों से फूटती हिंसा

–प्रमोद भार्गव–

यह सच्चाई कल्पना से परे लगती है कि विद्या के मंदिर में पढ़ाई जा रही किताबें हिंसा की रक्त रंजित इबारत लिखेंगी। लेकिन हैरत में डालने वाली बात है कि यह एक हकीकत बन चुकी है।

शैक्षिक गुणवत्ता की दृष्टि से महत्वपूर्ण माने जाने वाले देश अमेरिका के मिशिगन में दसवीं कक्षा के 14 वर्षीय नाबालिग छात्र ने तीन छात्रों की स्कूल परिसर में गोली मारकर हत्या कर दी। छात्र के शिक्षक और सात अन्य छात्र गंभीर रूप से घायल हैं। आरोपी छात्र ने अपने पिता की सेटमी स्वचालित बंदूक से करीब 20 गोलियां दागी थीं।

अचरज में डालने वाली बात है कि कोरोना के भयावह संकटकाल में अमेरिका में बंदूकों की मांग सात गुना बढ़ी है। इनमें से 62 प्रतिशत बंदूकें गैर श्वेतों के पास हैं। इस बीच महिलाओं में भी बंदूकें खरीदने की दिलचस्पी बढ़ी है। महिलाएं पिंक पिस्टल खरीद रही हैं। बंदूकों की इस बढ़ी बिक्री का ही परिणाम है कि 2021 में ही फायरिंग की 650 घटनाएं घट चुकी हैं और दस छात्रों की मौत इस एक साल में हो चुकी है। साफ है, आधुनिक और उच्च शिक्षित माने जाने वाले इस देश में हिंसा की इबारत लिखने का खुला कारोबार चल रहा है। जाहिर है, यहां के शिक्षा संस्थानों में किताबों से संस्कार ग्रहण करने वाली शिक्षा हिंसा की इबारत कैसे लिखी जाए, यह पाठ पढ़ा रही है।

विद्यालयों में छात्र हिंसा से जुड़ी ऐसी घटनाएं पहले अमेरिका जैसे विकसित देशों में ही देखने में आती थी, लेकिन अब भारत जैसे विकासशील देशों में भी क्रूरता का यह सिलसिला चल निकला है। हालांकि भारत का समाज अमेरिकी समाज की तरह आधुनिक नहीं है जहां पिस्तौल अथवा चाकू जैसे हथियार रखने की छूट छात्रों को हो। अमेरिका में तो ऐसी विकृत संस्कृति पनप चुकी है, जहां अकेलेपन के शिकार एवं मां–बाप के लाड़–प्यार से उपेक्षित बच्चे घर, मोहल्ले और संस्थाओं में जब–तब पिस्तौल चला दिया करते हैं। आज अभिभावकों की अतिरिक्त व्यस्तता और एकांगिकता जहां बच्चों के मनोवेगों की पड़ताल करने के लिए दोषी है, वहीं विद्यालय नैतिक और संवेदनशील मूल्य बच्चों में रोपने में सर्वथा चूक रहे हैं।

छात्रों पर विज्ञान, गणित और वाणिज्य विषयों की शिक्षा का बेवजह दबाव भी बर्बर मानसिकता विकसित करने के लिए दोषी हैं। आज साहित्य, समाजशास्त्र व मनोविज्ञान की पढ़ाई पाठ्यक्रमों में कम से कमतर होती जा रही है, जबकि साहित्य और समाजशास्त्र ऐसे विषय हैं जो समाज से जुड़े सभी विषयों और पहलुओं का वास्तविक यथार्थ प्रकट कर बाल–मनों में संवेदनशीलता का स्वाभाविक सश्जन करने के साथ सामाजिक विषंगतियों से परिचत कराते हैं। इससे हृदय की जटिलता टूटती है और सामाजिक विषंगतियों को दूर करने के कोमल भाव भी बाल मन में अंकुरित होते हैं। महान और अपने–अपने क्षेत्रों में सफल व्यक्तियों की जीवन–गाथाएं (जीवनियां) भी व्यक्ति में संघर्ष के लिए जीवटता प्रदान करती हैं। लेकिन दुर्भाग्य से हमारे यहां ऐसा कोई पाठ्यक्रम पाठशालाओं में नहीं है, जिसमें कामयाब व्यक्ति की जीवनी पढ़ाई जाती हो। जीवन–गाथाओं में जटिल परिस्थितियों से जूझने एवं उलझनों से मुक्त होने के सरल, कारगर और मनोवैज्ञानिक उपाय भी होते हैं।

भूमण्डलीयकरण के आर्थिक उदारवादी दौर में हम बच्चों को क्यों नहीं पढ़ाते कि संचार तकनीक और ईंधन रसायनों का जाल बिछाए जाने की बुनियाद रखने वाले धीरूभाई अंबानी एक कम पढ़े–लिखे एवं साधारण व्यक्ति थे। वे पेट्रोल पंप पर वाहनों में पेट्रोल डालने का मामूली काम करते थे। इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति ने अपने व्यवसाय की शुरुआत मात्र दस हजार रुपए की छोटी–सी रकम से की थी और आज अपनी व्यावसायिक दक्षता के चलते अरबों का कारोबार कर रहे हैं। दुनिया में कंप्यूटर के सबसे बड़े उद्योगपति बिल गेट्स पढ़ने में औसत दर्जे के छात्र थे। इसी तरह इंडियन एक्सप्रेस और जनसत्ता के संपादक रहे प्रभाष जोशी मात्र 10 वीं तक पढ़े थे। अन्ना हजारे और बाबा रामदेव भी कम पढ़े लिखे हैं।

कामयाब लोगों के शुरुआती संघर्ष को पाठ्यक्रमों में स्थान दिया जाए तो पढ़ाई में औसत हैसियत रखने वाले या कमजोर छात्र भी हीनता–बोध की उन ग्रंथियों से मुक्त रहेंगे जो अवचेतन में क्षोभ, अवसाद और संवेदनहीनता के बीज अनजाने में ही बो देती है और छात्र तनाव व अवसाद के दौर में विवेक खोकर हत्या, आत्महत्या अथवा बलात्कार जैसे गंभीर आपराधिक कारनामे कर डालते हैं। वैसे भी सफल एवं भिन्न पहचान बनाने के लिए व्यक्तित्व में दृढ़, इच्छाशक्ति और कठोर परिश्रम की जरूरत होती है, जिसका पाठ केवल कामयाब लोगों की जीवनियों से ही सीखा जा सकता है।

शिक्षा को व्यवसाय का दर्जा देकर निजी क्षेत्र के हवाले छोड़कर हमने बड़ी भूल की है। ये प्रयास शिक्षा में समानता के लिहाज से बेमानी हैं। क्योंकि ऐसे ही विरोधाभासी व एकांगी प्रयासों से समाज में आर्थिक विषमता बढ़ी है। यदि ऐसे प्रयासों को और बढ़ावा दिया गया तो विषमता की यह खाई और बढ़ेगी। जबकि इस खाई को पाटने की जरूरत है। यदि ऐसा नहीं किया गया तो शिक्षा केवल धन से हासिल करने का हथियार रह जाएगी। जिसके परिणाम कालांतर में और भी घातक व विस्फोटक होंगे। समाज में सवर्ण, पिछड़े, आदिवासी व दलितों के बीच आर्थिक व सामाजिक मतभेद बढ़ेंगे जो वर्ग संघर्ष के हालातों को आक्रामक व हिंसक बनाएंगे। यदि शिक्षा के समान अवसर बिना किसी जातीय, वर्गीय व आर्थिक भेद के सर्वसुलभ होते हैं तो छात्रों में नैतिक मूल्यों के प्रति चेतना, संवेदनशीलता और पारस्परिक सहयोग व समर्पण वाले सहअस्तित्व का बोधा पनपेगा, जो सामाजिक न्याय और सामाजिक संरचना को स्थिर बनाए रखने का कारक बनेगा।

वैसे मनोवैज्ञानिकों की मानें तो आमतौर से बच्चे आक्रामकता और हिंसा से दूर रहने की कोशिश करते हैं। लेकिन घरों में छोटे पर्दे और मुट्ठी में बंद मोबाइल पर परोसी जा रही हिंसा और सनसनी फैलाने वाले कार्यक्रम इतने असरकारी साबित हो रहे हैं कि हिंसा का उत्तेजक वातावरण घर–आंगन में विकृत रूप लेने लगा है, जो बाल मन में संवेदनहीनता का बीजारोपण कर रहा है। मासूम और बौने से लगने वाले कार्टून चरित्र भी पर्दे पर बंदूक थामे दिखाई देते हैं, जो बच्चों में आक्रोश पैदा करने का काम करते हैं। कुछ समय पहले दो किशोर मित्रों ने अपने तीसरे मित्र की हत्या केवल इसलिए कर दी थी कि वह उन्हें वीडियो गेम खेलने के लिए तीन सौ रुपए नहीं दे रहा था। लिहाजा छोटे पर्दे पर लगातार दिखाई जा रही हिंसक वारदातों के महिमा मंडन पर अंकुश लगाया जाना जरूरी है। यदि बच्चों के खिलौनों का समाजशास्त्र एवं मनोवैज्ञानिक ढंग से अध्ययन एवं विश्लेषण किया जाए तो हम पाएंगे कि हथियार और हिंसा का बचपन में अनाधिकृत प्रवेश हो चुका है।

सबसे ज्यादा नकारात्मक बात यह है कि हमने न तो पारंपरिक ज्ञान–विज्ञान को उपयोगी माना और न ही शिक्षा के सिलसिले में महात्मा गांधी व गिजुभाई बधेका जैसे शिक्षा शास्त्रियों के मूल्यों को तरजीह दी। शिक्षा आयोगों की नसीहतों को भी आज तक अमल में नहीं लाया गया। अभी भी यदि हम वैश्विक संस्कृति और अंग्रेजी शिक्षा के मोह से उन्मुक्त नहीं होते तो शिक्षा परिसरों में हिंसा, हत्या, आत्महत्या और बलात्कार जैसी घटनाओं में और इजाफा होगा। इनसे निजात पाना है तो जरूरी है कि तनावपूर्ण स्थितियों में सामंजस्य बिठाने, महत्वाकांक्षा को तुष्ट करने और चुनौतियों से सामना करने के कौशल को शैक्षिक पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए और गांधी व गिजुभाई के सिद्धांतों को शिक्षा का मानक माना जाए।

गुरुजन भी अकादमिक उपलब्धियों के साथ बाल मनोविज्ञान का पाठ पढ़ें। इसे भक्त कवि सूरदास की कृष्ण की बाल लीलाओं से भी सीखा जा सकता है। जिससे शिक्षक बालकों के चेहरे पर उभरने वाले भावों से अंतर्मन खंगालने में दक्ष हो सकें। समस्या के तात्कालिक समाधान के लिए कोई सार्थक पहल कर सकें। हालांकि नई शिक्षा नीति में ऐसे कुछ उपाय किए गए हैं, जो कालांतर में परिणाममूलक साबित होंगे।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर समेकित शिक्षा के अन्तर्गत विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों (दिव्यांगजनों) के उत्साहवर्धन हेतु के सुअवसर पर खेलकूद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम मेजर ध्यानचन्द्र स्टेडियम, सीतापुर में आयोजित किया गया।

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर दिनांक। (सू0वि0) दिनांक 03 दिसम्बर 2021 को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर समेकित शिक्षा के अन्तर्गत विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों (दिव्यांगजनों) के उत्साहवर्धन हेतु के सुअवसर पर खेलकूद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम मेजर ध्यानचन्द्र स्टेडियम, सीतापुर में आयोजित किया गया। इस सुअवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी महोदय, सीतापुर, मुख्य विकास अधिकारी, सीतापुर, अपर जिलाधिकारी, सीतापुर उपस्थित रहे। साथ ही जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सीतापुर, वित्त एवं लेखाधिकारी (बेसिक), सीतापुर व जिला समन्वयक (समेकित शिक्षा), सीतापुर, प्रमोद कुमार गुप्ता व जिला व्यायाम शिक्षक आदि अनेक अधिकारी उपस्थित रहे।

सर्वप्रथम अतिथियों को बैज लगाकर उनका स्वागत किया गया व जिलाधिकारी महोदय द्वारा दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। तदोपरान्त गौरी बाल विद्या मन्दिर, रोटी गोदाम के बच्चों ने सरस्वती वन्दना प्रस्तुत कर सभी दर्शकों का मनमोह लिया। उसके बाद मिशन जूनियर हाईस्कूल के बच्चों द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों के लिये स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। सर्वप्रथम जिलाधिकारी महोदय द्वारा मन्द बुद्धि बालकों की गुब्बारा दौड़ करायी व क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे बच्चों क्रमशः अंशु, सुधांशु व आशीष सभी गोंदलामऊ विकास खण्ड को मेडल व पुरस्कार का वितरण किया व अस्थि विकलांग बालकों की 100 मीटर की रेस में क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे बच्चों क्रमशः पुनीत कुमार–महोली, शौर्य–बिसवां व मानुष–गोंदलामऊ को मेडल व पुरस्कार का वितरण किया। मुख्य विकास अधिकारी, सीतापुर द्वारा झण्डी दिखाकर मेकअप रेस करायी गयी जिसमें क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे बच्चों क्रमशः हिमांशु–एलिया, ज्ञान प्रकाश–परसेण्डी व प्रान्शु–मिश्रिख को मेडल व पुरस्कार का वितरण किया गया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा दिव्यांग बच्चों की शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को प्रमाण पत्र दिये गये। तदोपरान्त अन्य प्रकार के विभिन्न 44 प्रकार के खेलों का आयोजन कर सभी प्रथम, द्वितीय व तृतीय विजेता बालक व बालिका को मेडल व पुरस्कार व अन्य सभी को सान्त्वना पुरस्कार का वितरण किया गया।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सीतापुर ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 03 दिसम्बर के दिन अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दिव्यांग व्यक्तियों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है वर्ष 1992 से इस दिन को अंतर्राष्ट्रीय रीति–रिवाज के रुप में प्रचारित किया जा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस को 1992 से पूरी दुनिया में ढेर सारी सफलता के साथ हर साल लगातार मनाया जा रहा है। वर्ष 1976 में संयुक्त राष्ट्र आम सभा के द्वारा दिव्यांगजनों के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष के रुप में वर्ष 1981 को घोषित किया गया था। इस दिन को मनाने का उद्देश्य समाज

में उनके आत्म–सम्मान, लोक–कल्याण और सुरक्षा की प्राप्ति के लिये दिव्यांगजनों की सहायता करना है।

जिला समन्वयक (समेकित शिक्षा), सीतापुर, प्रमोद कुमार गुप्ता ने बताया कि इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दिव्यांगों के प्रति समाज की सोंच में बदलाव लाना व विकृत लोगों के साथ ही अन्य परिजनों को उनके अधिकार के लिए जागरूकता फैलाना। इस दिवस को मनाने का एक उद्देश्य और है कि उनके प्रति करुणा आत्मसम्मान और जीवन को बेहतर बनाने का समर्थन और सहयोग दोनों करना। विश्व दिव्यांग दिवस पर वर्ष–2021 की थीम पूर्ण सहभागिता और समानता है। इसके तहत समाज में दिव्यांग लोगों के प्रति सहानुभूति तो होगी साथी उन्हें जीवन में हर कार्य में बराबर अवसर व अधिकार के प्रति सामान्य नागरिकों को जागरूक करना साथ ही सामाजिक आर्थिक स्थिति को सुधारने पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।

आज के कार्यक्रम में उक्त के अतिरिक्त अपूर्व दीक्षित, मण्डल अध्यक्ष, जूनियर शिक्षक संघ, मनीष पाण्डेय, प्रान्तीय प्रवक्ता, जूनियर शिक्षक संघ, रामचन्द्र मिश्रा, जिलाध्यक्ष, जूनियर शिक्षक संघ, डॉ0 प्रियांशु, सेवानिवृत्त बैंक मैनेजर, इंडियन बैंक, जनपद के समस्त स्पेशल एजूकेटर व अन्य सहयोगी साथीगण उपस्थित रहे।

एंबुलेंस में कराया गया महिला का सुरक्षित प्रसव

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। सरकार द्वारा चलाई जा रही 102 एंबुलेंस निरंतर अपनी सेवा से गर्भवती महिलाओं व नवजात शिशुओं को दूरी पर महिला को प्रसव पीड़ा होने लगी। जिसपर 102 एम्बुलेंस के एमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन मनीष कुमार व पायलट शिवबहादुर द्वारा एम्बुलेंस सड़क के किनारे

बचता आ रहा है। इसी क्रम में बीती रात जनपद के झंझरी ब्लॉक अन्तर्गत ग्राम परसाहब निवासी 23 वर्षीय आशा देवी पत्नी काशी को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हुई। जिसपर आशा के परिजनों ने एम्बुलेंस हेतु 102 पर कंट्रोल रूम फोन किया गया। वहीं कुछ मिनटों बाद एम्बुलेंस उनके घर पहुंची और प्रसूता को लेकर जैसे ही अस्पताल के लिए निकली कुछ ही खड़ा करा कर आशा बहु एवं घर की महिलाओं के सहयोग से प्रसूता का सुरक्षित प्रसव करवाया गया। जिसके उपरांत इनको नजदीकी अस्पताल काजीदेवार में लाकर भर्ती करवाया गया। जहां मौजूद चिकित्सक ने जच्चा बच्चा दोनों को स्वस्थ बताया। तदुपरांत एम्बुलेंस ईएमटी मनीष ने इसकी सूचना 108/102 एम्बुलेंस के जिला प्रभारी प्रतीक यादव को दी गई।

आयुर्वेदिक चिकित्सालय विद्यानगर में मरीजों को बैठने के लिए कुर्सिया नहीं

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। मनकापुर तहसील के अंतर्गत आने वाले विद्यानगर में बने आयुर्वेदिक चिकित्सालय में कई वर्षों से मरीजों को बैठने के लिए ना तो बेंच है और ना ही कुर्सियां आपको बताते चलें कि यहां पर प्रतिदिन 50 से 100 मरीज इलाज कराने आते हैं। जिन्हें एक रुपए की पर्ची पर निशुल्क जांच एवं इलाज तथा दवा वितरण इस बारे में आयुर्वेदिक चिकित्सालय के दोनों कर्मियों ने बताया कि विभाग से मरीजों को बैठने के लिए कुर्सियां और बेंच की मांग की गई है। वहीं रजिस्टर रखने वाला मेज भी टूटा हुआ है इसी तरह काम चलाया जाता है। इन सभी चीजों की मांग विभाग से की गई है लेकिन विभाग द्वारा आगे तक कुर्सियां बेंच और मैच की व्यवस्था नहीं की गई है। वही

किया जाता है। यहां पर मरीजों को खड़ा होकर की अपनी जांच एवं दवा लेनी होती है इस बारे में आयुर्वेदिक चिकित्सालय विद्या नगर के फार्मेसिस्ट इंचार्ज अर्जुन प्रसाद गुप्ता तथा वार्ड व्याय पुरुषोत्तम पांडे ने बताया कि यहां पर मरीजों को बैठने के लिए कुर्सियां तथा बेंच नहीं है और जिस पर रजिस्टर रखकर लिखा जाता है वह मैच भी ड्यूटी है और काफी जर्जर है किसी तरह एक लगाकर रोका गया है। दवा लेने आए सुरेश तिवारी प्रकाश मौर्य संजय मौर्य सहित दर्जनों लोगों ने बताया कि हम लोग जब भी दवा लेने आते हैं तो खड़ा ही रहना पड़ता है यहां पर बैठने का कोई इंतजाम नहीं है लोगों ने आयुर्वेदिक चिकित्सालय में कुर्सी बेंच एवं मेज विभाग से उपलब्ध कराने की मांग की है जिससे कि यहां पर देहाती क्षेत्रों से इलाज कराने आने वाले महिलाओं एवं पुरुषों को बैठने की व्यवस्था हो सके।

मानक विहीन कार्य करवाने का लगाया आरोप

अवध की आवाज ब्यूरो

उरई जालौन। विकास खण्ड कदौरा के अलग अलग ग्राम पंचायतों में मानक विहीन सीसी निर्माण कार्यो में ठेकेदार सहित प्रधान की मनमानी का आरोप लगा कि उक्त सीसी निर्माण मानक विहीन किया जा रहा है। जिसमे कम सीमेंट व अधिक मात्रा में बॉलू का प्रयोग किया जा रहा है साथ ही उक्त सीसी की ऊंचाई भी मानक विहीन है। जिसकी शिकायत

ग्रामीणों ने रुकवाया काम और किया हंगामा वर्तमान में ग्राम पंचायत बड़ागांव तथा परौसा में जारी सीसी निर्माण में मानक विहीन कार्य व पक्षपात का आरोप लगाते हुए निर्माण में आपत्ति जताई गयी जानकारी के अनुसार विकास खण्ड कदौरा की ग्राम पंचायत बड़ागांव मे 3 सौ मीटर सीसी निर्माण जो कि गुल्लातर चौराहे से लेकर संतराम टेलर के मकान तक जारी है। जिसमे ग्रामीण चरन सिंह, दयाराम, बालक राम ,प्रेम बाबू ,रामकिशोर, बच्चा सेठ, चंद्रभूषण आदि ग्रामीणों द्वारा आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया ग्रामीणों ने खण्ड विकास अधिकारी से की है यहां तक कि निर्माण में भेदभाव भी किया जा रहा है ग्रामीणों का आरोप है कि उक्त कार्य प्रधान की मिलीभगत से नरेगा योजना के तहत करवाया जा रहा है। साथ ही गांव में नरेगा योजना के तहत इतने कच्चे कार्य नही हुए जिससे योजना में कच्चे पक्के निर्माण के 60/40 का रेशियो का ग्राफ शाशन के विपरीत है। मामले में शुक्रवार को ग्रामीण चरन सिंह द्वारा ब्लाक में शिकायती पत्र देकर जांच करवाने की मांग की गई वही बड़ागांव प्रधान लाखन सिंह द्वारा पुलिस को शिकायती पत्र देकर सी सी निर्माण में बाधक बन रहे लोगो के ऊपर कार्यवाही करने की गुहार लगाई है ग्राम परौसा में भी 3 सौ मीटर सी सी निर्माण बलखण्डी के दरवाजे से लेकर बिजलीघर तक किया जा रहा है। जिसमे ग्रामीणों राजेश कुमार , देवी सिंह, पूरन सिंह , कैलाश, वीर सिंह, बहादुर , कपिल कुमार, बलखण्डी ,महेश देव सिंह आदि ने आरोप लगाया कि प्रधान और ठेकेदार के द्वारा आठ एक का मशाले का प्रयोग किया जा रहा है जो पूर्णतः मानक विहीन है। जिसकी ग्रामीणों ने बी डी ओ से शिकायत कर जांच की मांग की है वही मामले में खण्ड विकास अधिकारी अश्वनी सिंह द्वारा कहा गया कि उक्त सम्बन्ध उन्हें कोई सूचना शिकायत नही मिली है। और जानकारी की जा रही है मानक विहीन कार्य करवाया जा रहा है तो जांच कर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

रोजगार मेले में 34 पात्र व्यक्तियों का हुआ चयन

अवध की आवाज ब्यूरो

उरई, जालौन। भारतीय सुरक्षा दक्षता परिषद एवं एसआईएस इंडिया लिमिटेड के संयुक्त तत्वाधान में मुख्य विकास अधिकारी ए के श्रीवास्तव व सेवायोजन अधिकारी के संयुक्त मार्गदर्शन में शुक्रवार को कोंच खंड विकास कार्यालय में रोजगार मेला का आयोजन किया गया कंपनी के एसएचओ संदीप महतो व सुपरवाइजर आशीष यादव ने बताया कि रोजगार मेले में सुरक्षा क्षेत्र(सिक्युरिटी गार्ड)में रोजगार हेतु कुल 34 पात्र व्यक्तियों का चयन किया गया।21 से लेकर 37 वर्ष निर्धारित आयु,शारीरिक

लंबाई 168 सेमी, वजन 56 किग्रा से 90 किग्रा व दसवीं पास होने की अहर्ता पूरी करने वाले उक्त सभी 34 पात्र व्यक्तियों द्वारा रजिस्ट्रेशन शुल्क के रूप में 350 रुपये जमा करने के बाद तिथि निर्धारित कर एक माह का प्रशिक्षण दिया जायेगा जिसके बाद चयनित व्यक्तियों की 65 वर्ष की आयु तक स्थायी नियुक्ति होगी।उन्होंने बताया कि स्थायी नियुक्ति वाले व्यक्तियों को पीएफ,ईएसआईसी लोन, पेंशन,6 लाख रुपये तक के बीमा की सुविधा के साथ ही दो बच्चों का दाखिला इंडियन पब्लिक स्कूल देहरादून में हो सकेगा।विदित हो कि गत रोज नदीगांव ब्लॉक कार्यालय में भी रोजगार मेला आयोजित किया गया था जहां कुल 20 व्यक्तियों का चयन किया गया था।

पुरुष नसबंदी पखवाड़ा को 11 दिसंबर तक बढ़ाया गया

पहले 22 नवम्बर से चार दिसंबर तक की मियाद तय थी

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। जनपद में 22 नवम्बर से चार दिसम्बर तक पुरुष नसबंदी पखवाड़ा मनाया जाना था, जिसे अब 11 दिसंबर तक बढ़ा दिया गया है। यह जानकारी परिवार कल्याण कार्यक्रम की नोडल अधिकारी व अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. अभिलाषा मिश्रा ने दी।

नोडल अधिकारी ने बताया – पुरुष नसबंदी पखवाड़ा के तहत अभी तक जनपद में 13 पुरुष नसबंदी हुई हैं। इस पखवाड़े के माध्यम से स्वास्थ्य कार्यकर्ता जहां पुरुष नसबंदी सहित महिला नसबंदी और परिवार नियोजन के अस्थायी साधनों के बारे में लोगों को जागरूक करने में जुटे हैं वहीं नियत सेवा दिवस के माध्यम से पुरुष और महिला नसबंदी की सेवा निरूशुल्क दी जा रही है।

डा. अभिलाषा ने बताया – वह सभी पुरुष नसबंदी करवा सकते हैं जो 60 वर्ष से कम आयु के हैं और जिनका कम से कम एक साल का बच्चा हो, बच्चा लड़का या लड़की कोई भी हो सकता है तथा जिनका परिवार पूरा हो गया हो। पुरुष नसबंदी बिना चीरा टांका वाली एक आसान प्रक्रिया है जिसमें शुक्राणुनालिका बंद कर दी जाती है जिससे शुक्राणु वीर्य में नहीं मिल पाते और महिला को गर्भ नहीं ठहरता।

पुरुष नसबंदी को लेकर अनेक भ्रांतियाँ हैं जिसकी वजह से लोग इस साधन को अपनाने में झिझकते हैं. इन भ्रांतियों के साथ–साथ वास्तविकताओं के बारे में भी जानना आवश्यक है।

पुरुष नसबंदी में केवल पुरुष की शुक्रवाहिनी नलिका को काट कर बांध दिया जाता है, निकाला नहीं जाता है। यह विधि पुरुषों की यौन क्षमताओं को प्रभावित नहीं करती है। व्यक्ति वैवाहिक सुख का पूरा आनंद लेता है। नसबंदी से पुरुषों में कोई कमजोरी नहीं आती है। यह तीन माह बाद ही प्रभावशाली होती है उससे पहले नहीं क्योंकि शुक्रवाहिनी नलिका में पहले से मौजूद शुक्राणु को वीर्य के साथ बाहर आने में कम से कम तीन माह का समय लगता है। लोगों में यह भ्रांति है कि पुरुष नसबंदी केवल जाड़े में करवानी चाहिए, किसी और मौसम में करवाने से संक्रामण का खतरा रहता है जबकि ऐसा नहीं है। नसबंदी आप किसी भी मौसम में करवा सकते हैं। इसका मौसम से कोई संबंध नहीं होता है।

पुरुष नसबंदी करवाने पर लाभार्थी को 2000 रुपये और लाभार्थी को प्रेरित करने के लिए आशा कार्यकर्ता को 300 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाती है।

डा. अभिलाषा ने बताया दृ जिले में अप्रैल 2021 से 20 नवंबर 2021 तक कुल 212 पुरुषों और 1819 महिलाओं ने नसबंदी करवाई है, जिसमें सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर 133 पुरुषों ने और 1367 महिलाओं ने जबकि हौसला साझेदारी के तहत निजी अस्पतालों में 79 पुरुषों ने और 452 महिलाओं ने नसबंदी कराई है।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। हिन्दू जागरण मंच द्वारा प्रधानमंत्री मन्त्री को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौपा गया। जिसमे मंच द्वारा माँग की गयी कि देश के बहुसंख्यक समाज की आस्था का सम्मान करते हुये गौरक्षा पर एक कड़ा कानून बनाया जाय जिसमे गौवंश के बध पर पूर्ण प्रतिबन्ध व अपराधी को अजन्म कारावास की सजा का प्रावधान हो और गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करे ताकि गौ वंश की रक्षा की जा सके विमल द्विवेदी के नेतृत्व में निकाला गया विरोध प्रदर्शन।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। तहसील दिवस के अवसर पर तहसील हसनगंज में जनता की समस्याओं को सुनकर निस्तारण कराते हुए जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार एवं पुलिस अधीक्षक दिनेश त्रिपाठी।

मृत मवेशियों के कंकाल ने खोल दी आश्रय केंद्र की ब्यवस्था की पोल।

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। ग्राम पंचायत रुद्रगढ़ में स्थित प्रदेश की प्रथम मॉडल गौ आश्रय केंद्र निर्माण से ही अनियामिमित्ता को ले कर सुर्ख़ियों में रहा है, यहां से मृत मवेशियों के कंकाल भारी संख्या में वाहनों पर लाद कर ले जाते समय स्थानीय लोगो के द्वारा संचालन ब्यवस्था पर सवाल भी खड़े किये किन्तु ब्यवस्था में बदलाव की आस पूरी होती दिखाई नही दे रही है। विगत दिनों मुख्य विकास अधिकारी शशांक त्रिपाठी ने इस आश्रय केंद्र का निरीक्षण किया था, यहां पर उन्हें सभी ब्यवस्थाएं दुरुस्त मिली थीं जिस पर उन्होंने सचिव की पीठ थपथपाई थी, किन्तु आश्रय केंद्र की ताजा तस्वीर जो सामने आई है वो सीडीओ के निरीक्षण और केंद्र की ब्यवस्था पर सवाल खड़ा कर रही है। शुक्रवार को सुबह वाहन पर लाद कर मवेशियों के कंकाल ले जाने की सूचना पर कुछ ग्रामीणों ने पूछताछ की तो वाहन पर बैठे एक व्यक्ति द्वारा बताया गया की कंकाल आश्रय केंद्र से खण्ड विकास अधिकारी के कहने पर उठाया गया है, फ़िलहाल तो मवेशियों के कंकाल ने यह तो अस्पष्ट कर दिया है की आश्रय केंद्र में मवेशियों की मौत बड़ी तादात में हुयी है जिसका आंकड़ा सरकारी रजिस्टरों में हमेशा छुपाया ही गया है दूसरी बात ये की मृत मवेशियों के शवों का निस्तारण करने की क्या ब्यवस्था है, कंकाल तो यही बता रहे की मृत मवेशियों का शव खुले में फेंक दिया जाता है जिसे हिंसक पशु पक्षी खा लेते है अवशेष क्षेत्र में भीषण दुर्गन्ध की वजह बन जाती है उसके बाद का ये कंकाल है जिन्हें वाहनों पर लाद कर ले जाया जा रहा था।

श्रमिक ,कामगार ,कर्मचारी सम्मान यात्रा का बरेली में भव्य स्वागत

बरेली। मा.दिव्य त्रिवेदी स्वच्छ भारत मिशन ब्रांड अम्बेसडर एवं सदस्य पश्चिम रेलवे बोर्ड भारत सरकार व अतिथि विशिष्ट अतिथि मा.सर्वेश पाठक, राष्ट्रीय महासचिव विशिष्ट अतिथि, मा.मनीष मिश्र, प्रदेश महामंत्री व मा.योगेन्द्र गंगवार प्रदेश संगठन महामंत्री, मा.जयजीत कुशवाहा प्रदेश महामंत्री,पूर्व सीओ व मा.प्रदेश मंत्री जगदीश सिंह पाटनी,मा.आशुतोष मिश्रा प्रदेश मंत्री,मा.प्रियंक वर्मा क्षेत्रीय अध्यक्ष बृज क्षेत्र का 25 बाइक व सैकड़ों कारों के काफिले के साथ बरेली में जगह जगह भारत माता की जय,भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद के नारों के साथ माननीयों का भव्य स्वागत एवं अभिनन्दन पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बरेली संजय वर्मा एवं महानगर अध्यक्ष बरेली क्षितिज टंडन के नेतृत्व में किया गया। फिर यात्रा शील चौराहा छत्रपति महाराज पर माल्यार्पण कर डाइस रेस्टोरेंट राजेन्द्र नगर में कार्यकर्ता बैठक व प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहुंची। बैठक में संजय कुमार वर्मा को क्षेत्रीय उपाध्यक्ष बृज क्षेत्र (प्रभारी बरेली मण्डल) व राकेश कुमार को भी क्षेत्रीय उपाध्यक्ष व सुशील छतवाल को जिला अध्यक्ष बरेली बनाया गया। और भी जिला व महानगर के कई पदाधिकारियों की भी नियुक्ति की गयी। बरेली में हजारों श्रमिक कार्ड बनवाये जा चुके हैं,और लगातार कार्य जारी है। माननीयों के द्वारा आगामी चुनाव को लेकर प्रत्येक कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी को एक एक गांव की भाजपा सदस्यता अभियान को सफल बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई,और भाजपा को प्रचण्ड बहुमत से जिताने पर जोर दिया गया।

मृत मवेशियों के कंकाल ने खोल दी आश्रय केंद्र की ब्यवस्था की पोल।

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। ग्राम पंचायत रुद्रगढ़ में स्थित प्रदेश की प्रथम मॉडल गौ आश्रय केंद्र निर्माण से ही अनियामिमित्ता को ले कर सुर्ख़ियों में रहा है, यहां से मृत मवेशियों के कंकाल भारी संख्या में वाहनों पर लाद कर ले वाहन पर लाद कर मवेशियों के कंकाल ले जाने की सूचना पर कुछ ग्रामीणों ने पूछताछ की तो वाहन पर बैठे एक व्यक्ति द्वारा बताया गया की कंकाल आश्रय केंद्र से खण्ड विकास अधिकारी के कहने पर उठाया गया है, फ़िलहाल तो मवेशियों के कंकाल

जाते समय स्थानीय लोगो के द्वारा संचालन ब्यवस्था पर सवाल भी खड़े किये किन्तु ब्यवस्था में बदलाव की आस पूरी होती दिखाई नही दे रही है। विगत दिनों मुख्य विकास अधिकारी शशांक त्रिपाठी ने इस आश्रय केंद्र का निरीक्षण किया था, यहां पर उन्हें सभी ब्यवस्थाएं दुरुस्त मिली थीं जिस पर उन्होंने सचिव की पीठ थपथपाई थी, किन्तु आश्रय केंद्र की ताजा तस्वीर जो सामने आई है वो सीडीओ के निरीक्षण और केंद्र की ब्यवस्था पर सवाल खड़ा कर रही है। शुक्रवार को सुबह ने यह तो अस्पष्ट कर दिया है की आश्रय केंद्र में मवेशियों की मौत बड़ी तादात में हुयी है जिसका आंकड़ा सरकारी रजिस्टरों में हमेशा छुपाया ही गया है दूसरी बात ये की मृत मवेशियों के शवों का निस्तारण करने की क्या ब्यवस्था है। कंकाल तो यही बता रहे की मृत मवेशियों का शव खुले में फेंक दिया जाता है जिसे हिंसक पशु पक्षी खा लेते है अवशेष क्षेत्र में भीषण दुर्गन्ध की वजह बन जाती है उसके बाद का ये कंकाल है जिन्हें वाहनों पर लाद कर ले जाया जा रहा था।

सरकार ने अमेठी में पांच लाख एके-203 असॉल्ट राइफल के विनिर्माण की मंजूरी दी

नई दिल्ली,वेब वार्ता)। केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश के अमेठी के कोरवा में पांच लाख से अधिक एके–203 असॉल्ट राइफल के विनिर्माण की योजना को मंजूरी दी है। आधिकारिक सूत्रों ने इसे रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने का बड़ा प्रयास बताया है।

सूत्रों ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत का रक्षा विनिर्माण केंद्र बनने के मार्ग पर है। एक सूत्र ने कहा, "यह रक्षा अधिग्रहण में खरीद (वैश्विक) से मेक इन इंडिया तक के सफर में लगातार होते बड़े परिवर्तन को दर्शाता है। यह प्रयास रूस के साथ साझेदारी में किया जाएगा और यह रक्षा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच गहरी होती साझेदारी को दर्शाता है।"

उन्होंने कहा कि यह परियोजना विभिन्न सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और अन्य रक्षा उद्योगों को कच्चे माल तथा घटकों की आपूर्ति के लिए व्यावसायिक अवसर प्रदान करेगी, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

7.62 एक्स 39एमएम कैलिबर एके–203 (असॉल्ट कालाश्निकोव–203) राइफल तीन दशक पहले शामिल सेवा में जारी इंसास राइफल की जगह लेंगी। सूत्रों ने बताया कि एके–203 असॉल्ट राइफलें, 300 मीटर की प्रभावी रेंज के साथ, हल्की, मजबूत और प्रमाणित तकनीक के साथ आसानी से उपयोग में लाई जा सकने वाली आधुनिक असॉल्ट राइफल हैं। ये वर्तमान और परिकल्पित अभियान संबंधी चुनौतियों का पर्याप्त रूप से सामना करने के लिए सैनिकों की युद्ध क्षमता को बढ़ाएंगी।

ये आतंकवाद और उग्रवाद विरोधी अभियानों में भारतीय सेना की परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाएंगी। उन्होंने बताया कि यह परियोजना इंडो–रशियन राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड (आईआरआरपीएल) नामक एक विशेष प्रयोजन के संयुक्त उद्यम द्वारा कार्यान्वित की जाएगी। यह भारत के तत्कालीन ओएफबी–आयुध निर्माणी बोर्ड (अब एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड (एडब्ल्यूईआईएल) और म्यूनिशन्स इंडिया लिमिटेड (एमआईएल) तथा रूस के रोसोबोरोनएक्सपोर्ट (आरओई) एवं कालाश्निकोव के साथ बनाया गया है।

चक्रवात 'जवाद' के रविवार को पुरी पहुंचने से पहले कमजोर होने का अनुमान

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। चक्रवाती तूफान 'जवाद' के ओडिशा के पुरी में रविवार को दस्तक देने से पहले कमजोर होकर गहरे दबाव में बदलने की संभावना है। यह तूफान फिलहाल पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने एक बयान में बताया कि शनिवार को सुबह पांच बजकर 30 मिनट पर चक्रवाती तूफान आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम के दक्षिण पूर्व से 230 किलोमीटर और ओडिशा के पुरी के दक्षिण–दक्षिण पूर्व से 410 किलोमीटर दूर पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी पर केंद्रित है। विभाग ने बताया कि इसके कमजोर होकर अगले 12 घंटे में उत्तर और उत्तर–उत्तर पश्चिम की तरफ ओडिशा की ओर बढ़ने तथा पुरी के निकट और आसपास पांच दिसंबर को दोपहर में गहरे दबाव के रूप में पहुंचने का अनुमान है। वहीं इसके बाद तूफान के और कमजोर होकर आगे उत्तर उत्तर पूर्व की तरफ ओडिशा तट से पश्चिम बंगाल तट की तरफ बढ़ने का अनुमान है। इस चक्रवाती तूफान का नाम 'जवाद' सऊदी अरब ने प्रस्तावित किया है। विभाग ने बताया कि 30 नवंबर को अंडमान सागर के ऊपर निम्न दबाव का क्षेत्र बना था। दो दिसंबर को यह दबाव में बदल गया और इसके बाद यह शुक्रवार सुबह गहरे दबाव में तथा शुक्रवार दोपहर को यह चक्रवाती तूफान में तब्दील हो गया। इस संबंध में आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम, विजयनगरम और विशाखापत्तनम जिलों में शनिवार के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। वहीं ओडिशा के गजपति, गंजाम, पुरी, जगतसिंहपुर जिलों के लिए भी रेड अलर्ट जारी है। विभाग ने पश्चिम बंगाल के दूरदराज इलाकों में शनिवार और रविवार को भारी से भारी बारिश की आशंका जताई है। वहीं, असम, मेघालय और त्रिपुरा के दूरदराज इलाकों में सोमवार को भारी बारिश की आशंका जताई गई है। शुक्रवार से रविवार तक मध्य और उत्तर बंगाल की खाड़ी में मछुआरों के लिए समुद्र में जाना सुरक्षित नहीं है।

अपनी फिल्म शहजादा की तैयारियों में जुटे कार्तिक आर्यन

मुंबई, (वेब वार्ता)। कार्तिक आर्यन एक तरफ जहां अपनी फिल्म धमाका को लेकर खूब वाहवाही लूट रहें हैं, वही दूसरी ओर वे अपनी एक और फिल्म शहजादा की तैयारियों में जुट गए हैं, जिसकी बारे में उन्होंने खुद बताया है। अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम की स्टोरी में एक फोटो शेयर की है, जिसमें वे एक जिम में नजर में है और इस फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। वहीं इनकी शहजादी एक्ट्रेस कृति सेनन भी दिल्ली में है। हाल ही में कृति ने कार्तिक के साथ मस्ती करते हुए अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की थी, जो दोनों के फैंस को बेहद पसंद आयीं थी। कृति और कार्तिक के अलावा इस फिल्म में परेश रावल, मनीषा

आ रहें हैं। अपनी इस फोटो के साथ कार्तिक ने लिखा, शहजादाकृकृकृ प्रेप। कार्तिक के इस पोस्ट से जाहिर होता है कि उन्होंने अपनी फिल्म शहजादा के लिए जिम में पसीना बहाना शुरू कर दिया है। कार्तिक अपने हर किरदार के लिए अपनी पूरी जी जान लगा देते हैं, तभी तो दर्शक भी इन्हें बड़े पर्दे पर देखना पसंद करते हैं। बता दें कि कार्तिक इस समय लखनऊ कोइराला, रोनित रॉय और सचिन खेडेकर भी अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। शहजादा को रोहित धवन डायरेक्ट कर रहे हैं। रोहित धवन को देसी बॉयज और ढिशूम जैसी रोमांटिक कॉमेडी फिल्मों को डायरेक्ट करने के लिए जाना जाता है। इस अपकमिंग फिल्म को भूषण कुमार, अल्लू अरविंद और अमन गिल प्रोड्यूस कर रहें हैं। फिल्म अगले साल 4 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अहाना कुमरा और उनकी बहन शिवानी को ग्लोबल स्पा फिट ऐंड फैव पुरस्कार से किया गया सम्मानित

मुंबई, (वेब वार्ता)। बॉलीवुड की प्रतिभाशाली एंव चर्चित अभिनेत्री अहाना कुमरा और उनकी बहन शिवानी कुमरा को फिटनेस के लिए जागरूकता फैलाने के लिए ग्लोबल स्पा फिट ऐंड फैव पुरस्कार से सम्मानित किया गया हैं। पुरस्कृत किए जाने पर अहाना ने खुशी जाहिर की हैं। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट साझा की हैं। अहाना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से पुरस्कार लिए हुए अपनी बहन शिवानी और अपनी कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि, और तब यह हुआ! फिटनेस की जागरूकता के लिए मेरी बहन शिवानी और मेरे द्वारा उठाए गए कदमो की सराहना के लिए ग्लोबल स्पा मैग्जीन और परिनीता शेट्टी का धन्यवाद।बचपन से ही शिवानी ने मुझे स्कूल में हर चीज में हमेशा पछाड़ा और जो मुझे बिलकुल अच्छा नही लगता था लेकिन कुछ साल बीतने के बाद मुझे यह समझ आ गया था कि यह सब वो मुझे अपनी बेहतरीन यात्रा से प्रोत्साहित करने के लिए करती थीं।और आज मैं अपने शरीर और स्वास्थ जीवन से प्रेम करती हूं। आज हमारे लिए यहा एक बड़ा जश्न मनाने का दिन हैं क्योंकि हमने जीवन में पहली बार कोई पुरस्कार साथ में जीता हैं। गुड्डा!मै तुम्हे बहुत प्यार करती हूं। वर्कफ्रंट की बात करे तो अहाना आखिरी बार नेटफिलक्स की वेब सीरीज कॉल माई एंजेट:बॉलीवुड में मुख्य किरदार निभाते हुए नजर आई थीं। वे रणबीर कपूर के साथ ऐक्शन ड्रामा फिल्म शमशेरा में अहम किरदार निभाते हुए नजर आयेंगी।

अभिषेक बच्चन की बॉब बिस्वास का पूरा म्यूजिक एलबम हुआ रिलीज

मुंबई, (वेब वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन अपनी अपकमिंग फिल्म बॉब बिस्वास को लेकर सुर्खियों में बने हुए है। फिल्म का ट्रेलर कुछ दिन पहले ही रिलीज किया गया था, जिसे बहुत ही शानदार प्रतिक्रिया मिली। खासतौर पर बच्चन की एक्टिंग जिसमें से पहला गाना तू तो गया रे हाल ही में रिलीज किया गया था। इसके बाद एलबम में 'मुझे मुझसे कौन बचाएगा', 'जानूं ना' और 'तीजा' जैसे गाने भी है। बता दे कि फिल्म में अभिषेक एकदम नए लुक में नजर आ रहें हैं। अभिषेक के इस लुक में उनकी

और उनके लुक्स की खूब सराहना हुई। ट्रेलर के बाद मेकर्स ने फिल्म का पहला गाना तू तो गया रे जारी किया था। इस गाने के बाद मेकर्स ने फिल्म का पूरा म्यूजिक एलबम ही जारी कर दिया है, जिसकी जानकारी अभिषेक ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर दी है। उन्होंने म्यूजिक एलबम रिलीज होने का पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, नमॉस्कार! हमारी प्लेलिस्ट और भी अधिक इंट्रेस्टिंग हो गई है। बता दें कि म्यूजिक एलबम में चार गाने है, धमाकेदार परफॉरमेंस देखने के लिए दर्शक काफी एक्साइटेड है। अभिषेक के अलावा फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी है। फिल्म में अभिषेक बॉब का किरदार निभा रहे है जिसके दो चेहरे है। वह एक हैप्पी लाइफ जीने के साथ ही एक कॉन्ट्रैक्ट किलर भी है। रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और बाउंड स्क्रिप्ट द्वारा प्रोड्यूस की जा रहीं फिल्म 'बॉब बिस्वास' को दीया अन्नपूर्णा घोष द्वारा डायरेक्ट किया गया है। फिल्म 'बॉब बिस्वास' का प्रीमियर 3 दिसंबर यानि की कल जी5 पर होगा।

जर्सी के पहले गाने 'मेहरम' को मिल रहीं शानदार प्रतिक्रिया

मुंबई, (वेब वार्ता)। शाहिद कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म जर्सी को लेकर बेहद एक्साइटेड है। सिर्फ शाहिद ही नहीं बल्कि फैंस और दर्शक भी फिल्म में उनकी शानदार प्रति प्यार और उसके लिए किए जा रहे स्ट्रगल और उनके जुनून को दिखाया गया है। यह काफी इमोशनल कर देने वाला गाना है। 'मेहरम' गाने को सचेत टंडन ने

परफॉरमेंस देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। मालूम हो कि जर्सी का ट्रेलर हाल ही में लॉन्च किया गया था, जिसे बहुत ही बढ़िया रिस्पांस मिला। खासतौर पर शाहिद की एक्टिंग को खूब पसंद किया जा रहा है। ट्रेलर के बाद मेकर्स ने गुरुवार को फिल्म का पहला गाना मेहरम जारी किया, जो अब दर्शकों का पसंदीदा गाना बन गया है। गाने की लिरिक्स लोगों को काफी इंप्रेस कर रहीं हैं। यहाँ तक की कुछ लोग इस गाने की तुलना शाहिद कपूर की सुपरहिट फिल्म कबीर सिंह के 'बेखयाली' गाने से कर रहे हैं। इस गाने में शाहिद का क्रिकेट के बहुत ही खूबसूरती से गाया है, जबकि लिरिक्स शेल्ले ने लिखें हैं और म्यूजिक सचेत तथा परंपरा द्वारा ही कंपोज किया गया है। शाहिद कपूर के साथ ही इस फिल्म में मृणाल ठाकुर और पंकज कपूर भी मुख्य किरदारों में है। शाहिद और मृणाल की ये अपकमिंग फिल्म तेलुगु की सुपरहिट फिल्म जर्सी का हिंदी रीमेक है। फिल्म को गौतम तिन्नानुरी ने डायरेक्ट किया है जबकि अल्लू अरविंद और अमन गिल द्वारा फिल्म को प्रोड्यूस किया गया है। यह फिल्म 31 दिसंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रहीं हैं।

खुश वैडिंग मैग्जीन के कवर पेज पर ब्राइडल लुक में कहर ढहाती नजर आई हुमा कुरैशी

मुंबई, (वेब वार्ता)। बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने अपनी दमदार अभिनय से इंडस्ट्री में कम समय में ही वो मुकाम हासिल कर लिया है जो बहुत सी अभिनेत्रियों को नही मिलता। फिल्मों में उनकी एक्टिंग इसलिए भी सराह ही जाती है क्योंकि वह हर तरह के किरदार निभाने में सक्षम हैं। गैंग ऑफ वासेपुर और ऐसी कई फिल्मों है जिसमें उन्होंने ने अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया है। परंतु एक्टिंग के अलावा हुमा अपनी हॉट अदाओं के लिए भी जानी जाती है। हाल ही में खुश वैडिंग मैग्जीन के लिए कवर गर्ल बनकर उन्होंने कवर पेज पर चार चांद लगा दिए हैं। हुमा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से इस कवर पेज की तस्वीर साझा कर इस कवर फोटो शूट की जानकारी दी है। उन्होंने तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि, सफेद शादी काफी खास है। पूरी टीम के लिए इसका धन्यवाद, व्हाइट ब्राइड बनने में काफी आनंद आता है। साझा की तस्वीर में हुमा एक क्रिस्चियन ब्राइडल के रूप में नजर आ रही हैं। उन्होंने व्हाइट कलर की सुंदर सी ड्रेस पहनी हुई है और लाइट मेकअप किया हुआ है। इस ड्रेस में वे काफी हॉट लग रही हैं। हुमा की ड्रेस को प्रोनोवियास ने डिजाइन किया है और ज्वैलरी को आम्रपालीज्वेल्स द्वारा डिजाइन किया गया है। हुमा का मेकअप अजय विश्वासराव ने किया है। हेयर स्टाइल सुसैन एमानुएल ने किया है। इस मैगजीन के लिए फोटोग्राफी जुजिया जवादा द्वारा की गई हैं। वर्कफ्रंट की बात करे तो हाल ही में हुमा फिल्म बेल बॉटम में नजर आई थीं। वे तमिल फिल्म वालिमई और नेटफ्लिक्स की मोनिका ओ माई डार्लिंग में अहम किरदार निभाते हुए नजर आएंगी।

अमेरिकी सरकार के कर्मचारियों की जानकारी हैक करने के लिए जासूसी सॉफ्टवेयर का उपयोग हुआ : सूत्र

वाशिंगटन, (वेब वार्ता)। दुनिया की सबसे कुख्यात हैकिंग कंपनी इजराइल के एनएसओ ग्रुप की तकनीक का इस्तेमाल करके अमेरिकी विदेश मंत्रालय के 11 कर्मचारियों के फोन हैक किए गए थे। इस मामले की जानकारी रखने वाले व्यक्ति ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उक्त व्यक्ति ने बताया कि सभी कर्माचारी युगांडा में पदस्थ थे और इनमें कुछ विदेश सेवा अधिकारी भी शामिल थे। उसने बताया कि मंत्रालय के कुछ स्थानीय कर्मचारी हैक किए गए 11 लोगों में शामिल हैं। पेगासस नाम से मशहूर एनएसओ ग्रुप के जासूसी सॉफ्टवेयर के जरिये अमेरिकी सरकार के कर्मियों की हैकिंग का यह पहला ज्ञात उदाहरण है। यह मालूम नहीं हो सका है कि किस व्यक्ति या संस्था ने खातों को हैक करने के लिए एनएसओ तकनीक का इस्तेमाल किया, या क्या जानकारी मांगी गई थी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, "हम पूरी तरह से चिंतित हैं कि एनएसओ ग्रुप सॉफ्टवेयर जैसे वाणिज्यिक स्पाइवेयर अमेरिकी कर्मियों के लिए एक गंभीर खुफिया विरोधी और सुरक्षा जोखिम पैदा करते हैं। पहली बार रॉयटर्स द्वारा रिपोर्ट की गई हैकिंग की खबरें अमेरिकी वाणिज्य मंत्रालय द्वारा एनएसओ समूह को काली सूची में डाले जाने के एक महीने बाद आई हैं, जिसमें कंपनी पर अमेरिकी तकनीक का उपयोग करने पर रोक लगा दी गई थी। एप्पल ने पिछले हफ्ते एनएसओ ग्रुप पर मुकदमा दायर किया था, जिसमें सभी आईफोन और अन्य एप्पल उत्पादों की हैकिंग को प्रभावी ढंग से बंद करने की मांग की गई। एप्पल ने इजराइली कंपनी को 21 वीं सदी का भाड़े के सैनिक कहा है।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। कथा से पहले देवकीनंदन महाराज के आगमन को लेकर निकाली गई कलश यात्रा के तत्पश्चात विधानसभा अध्यक्ष साथ में हिलौली ब्लाक प्रमुख दिलीप दीक्षित वह भाजपा के वरिष्ठ नेता कार्यकर्ता के द्वारा देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज की शिष्टाचार भेंट की फिर विधानसभा अध्यक्ष के द्वारा दीप प्रज्वलित करके महाभारत कथा की तरफ अध्यक्ष जी के द्वारा कुछ बिंदुओं पर चर्चा की गई कई बार माननीय अध्यक्ष जी के द्वारा हिलौली ब्लाक दिलीप दीक्षित के द्वारा श्री देवकी नंदन ठाकुर जी महाराज का शिष्टाचार एवं स्वागत किया गया जिसमें सदर विधायक पंकज गुप्ता पूर्व ब्लाक प्रमुख अरुण सिंह व परिवार के सभी लोग हुए शामिल उन्नाव जनपद एवं अन्य जनपद के लोग कथा में शामिल हुए देवकीनंदन ठाकुर महाराज के दर्शन करके लोगों ने राधे राधे के नारे लगाए। अवध की आवाज ब्यूरो चीफ गुड्डू मिश्रा देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज के दर्शन एवं शिष्टाचार भेंट की।

अमेरिका के 10 राज्यों में पहुंचा ओमिक्रोन

वाशिंगटन, (वेब वार्ता)। अमेरिका के 10 राज्यों में कोविड–19 के नये वेरिएंट ओमिक्रोन के मामले सामने आये हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को मैरीलैंड, नेब्रास्का, पेंसिल्वेनिया, न्यू जर्सी और यूटा राज्यों में ओमिक्रोन के मामले सामने आए हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में कैलिफोर्निया, कोलोराडो, हवाई, मिनेसोटा और न्यूयॉर्क में ओमिक्रोन के मामले दर्ज किये गये थे। ओमिक्रोन का पहला मामला दक्षिणी अफ्रीका में सामने आया था और इसके बाद यह अमेरिका, मुख्य रूप से पश्चिमी देशों में नए यात्रा प्रतिबंधों और सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों का कारण बनते हुये एक बड़ी परेशानी बन गया है।

मध्य माली में आतंकवादी हमले में दर्जनों लोगों की मौत

बमाको, (वेब वार्ता)। मध्य माली में सेवरे और बांदियागरा के बीच एक छोटे से शहर सोंगो गारे में हुए एक आतंकवादी हमले में दर्जनों लोगों की जान चली गई। एक स्थानीय अधिकारी और चश्मदीदों ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, चश्मदीदों ने बताया कि आतंकवादियों ने बंदियागरा मेले की ओर जा रही एक बस पर हमला किया। नाम न छापने की शर्त पर शुक्रवार को एक स्थानीय अधिकारी ने कहा, वाहन में आग लगा दी गई, जिसमें कम से कम 33 लोगों की जान चली गई। उन्होंने कहा, आतंकवादियों ने वाहन पर हमला किया, जिन्होंने वाहन को बंद करने से पहले चालक की हत्या कर दी और उसमें सवार यात्रियों के साथ गाड़ी में आग लगा दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, चश्मदीदों ने सात घायलों, चार गंभीर रूप से घायल और दर्जनों लोगों के लापता होने की भी पुष्टि की है। घातक हमले के बारे में मालियान सरकार ने अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। बांदियागरा शहर से लगभग 10 किमी दूर स्थित, माली के इस हिस्से को देश के बाकी हिस्सों से काटने के लिए यहां आतंकवादियों द्वारा अक्सर तोड़फोड़ किया जाता है।

आंध्र प्रदेश में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आए अल्लू अर्जुन

आंध्रप्रदेश,(वेब वार्ता)। बाढ़ से आंध्रप्रदेश में भारी तबाही देखने को मिल रही है। ना जाने कितने लोग पानी के तेज प्रवाह में बह गए

और कितने ही लोग अपनी जान गवां बैठे है। वहीं हजारों की संख्या में लोग इससे प्रभावित हुए हैं। आंध्र प्रदेश में बाढ़ के कारण मची तबाही को देखते हुए कई तेलुगु सुपरस्टार्स ने मदद के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया है। वहीं अब इस लिस्ट में अभिनेता अल्लू अर्जुन का भी नाम जुड़ गया है। अल्लू अर्जुन ने बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आंध्र प्रदेश सीएम रिलीफ फंड में 25 लाख दान किएं है। इस बात की सूचना अभिनेता ने खुद अपने सोशल मीडिया हैंडल पर दी है। उन्होंने एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें लिखा गया है कि, हाल ही में आंध्र प्रदेश में आएं हुए बाढ़ को देखकर मेरा हृदय दर्द से भर गया है। मैं आंध्र प्रदेश सीएम रिलीफ फंड में 25 लाख का योगदान कर रहा हूं।

अल्लू अर्जुन अपने इस नेक कदम से एकबार फिर फैंस का दिल जीत लिए है। उनके फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं और साथ ही ढेर सारा प्यार भेज रहें हैं। अल्लू के वर्कफ्रंट की बात करें तो वे जल्द ही फिल्म ष्पुष्पा : द राइज पार्ट 1 में नजर आने वाले है। अर्जुन के साथ ही इस फिल्म में एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना भी लीड रोल में है। फिल्म का ट्रेलर 6 दिसंबर को लॉन्च किया जाएगा। फिल्म 17 दिसंबर 2021 को तेलुगु में रिलीज होगी और साथ साथ मलयालम, हिंदी, तमिल और कन्नड़ में भी फिल्म की डबिंग की जाएगी।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954
मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।